NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 102 लखनऊ, मंगलवार 02 दिसंबर 2025 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

2027 तक उत्तर प्रदेश को गरीबी मुक्तप्रदेश बनाना लक्ष्य : सीएम योगी

लखनऊ,01 दिसम्बर (एजेंसी)। संविधान दिवस पर पेरिस से आई एक विशेष तस्वीर ने पूरे देश, खासकर उत्तर प्रदेश को गर्व से भर दिया। यूनेस्को मुख्यालय में भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव राव अम्बेडकर की प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने 'योगी की पातीश के माध्यम से प्रदेशवासियों को संबोधित किया और बाबा साहेब को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए प्रदेश को वर्ष 2027 तक गरीबी मुक्त प्रदेश बनाने की बात कही है। सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रदेश की जनता के नाम संबोधित श्योगी की पातीश पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विश्व समुदाय जब बाबा साहेब के योगदान को सराहता है, तो यह क्षण प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का होता है। उन्होंने कहा कि अम्बेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं थे, बल्कि सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की मूल भावना को जीवन में उतारने वाले युगांतरकारी महापुरुष थे। शोषित, वंचित और दबे–कुचले वर्गों को अधिकार दिलाने की उनकी कोशिशें आज भी सामाजिक परिवर्तन का आधार हैं। सीएम योगी ने कहा कि उनकी ही प्रेरणा से उत्तर प्रदेश की सरकार ने दलितों, वंचितों और कमजोर तबकों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएँ चलाई हैं। शिक्षा, छात्रवृत्ति, छात्रावास सुविधाएँ, प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भरता तथा आर्थिक सहायता—इन सभी क्षेत्रों में व्यापक सुधार किए गए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी जरूरतमंद सामाजिक सुरक्षा से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब की सोच पर चलते हुए प्रदेश में 'जीरो पॉवर्टी अभियानश संचालित किया जा रहा है। इसके तहत कमजोर वर्गों तक आवास, राशन, पेंशन, शिक्षा, श्रम योजनाएँ और बाल विकास कार्यक्रमों का लाभ तेज गति से पहुँचाया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक उत्तर प्रदेश को गरीबी मुक्त बनाना है।

बिहार विधानसभा सत्रः एनडीए नेताओं ने दिया जनता को भरोसा-विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारेंगे

पटना ,01 दिसम्बर (एजेंसी)18वीं बिहार विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हो चुका है। इसी बीच, सत्तापक्ष के नेताओं ने बिहार की जनता को भरोसा दिया है कि तेजी के साथ विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारेंगे। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन ने एक न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा कि नई सरकार के गठन और पहले विधानसभा सत्र के लिए सभी को मेरी शुभकामनाएं हैं। हमें जनता ने बहुमत दिया है। इससे दोगुनी ताकत से हम विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारेंगे। जनता के बीच रहकर सेवा भाव से काम करेंगे। इस दौरान सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले उन्होंने अपील की कि विपक्ष के साथियों को पहले दिन सहयोग का वातावरण बनाना चाहिए। वहीं, गायघाट से जदयू विधायक कोमल सिंह ने कहा, विरोध करना विपक्ष का काम है और वे कोई भी मुद्दा उठाएंगे। लेकिन पूरा बिहार जानता है कि महिलाओं को मजबूत बनाने का काम एनडीए सरकार ने किया है। आज महिलाएं बिना किसी डर के सड़कों पर आजादी से घूमती हैं। यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की देन है। महिलाओं का भरोसा जीतना एनडीए सरकार का काम है। इसलिए बिहार की महिलाएं और युवा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ थे और आगे भी रहेंगे। झंझारपुर से भाजपा विधायक नीतीश मिश्रा ने कहा कि सभी विधायकों का सदन में पहला दिन है। सभी को शुभकामनाएं और बधाई है। जिस काम के लिए जनता ने उन्हें चुनकर भेजा है वे उसे पूरा करें। इस अवसर पर बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री मोहम्मद जमा खान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में विकास किया और उसी विकास के कारण हम जीतकर आए हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर हमने बिहार को आगे बढ़ाने के लिए विकास कार्य किए हैं। विकास के मामले में बिहार को देश का प्रथम राज्य बनाने की कोशिश होगी। मोहम्मद जमा खान ने यह भी दावा किया है कि विपक्ष के कई विधायक संपर्क में हैं और बातचीत जारी है। उन्होंने कहा, विपक्ष के विधायक इसलिए टूटेंगे कि एनडीए ने काम किया है। विकास के नाम पर वह लोग एनडीए के साथ आ रहे हैं।

ड्रामेबाजी की डिलीवरी फिर शुरू!- खरगे का मोदी पर जोरदार हमला

नयी दिल्ली ,01 दिसम्बर (एजेंसी)राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा है कि उन्होंने ने संसद भवन परिसर में शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले मुद्दों की बात करने की बजाय ड्रामेबाजी कर फिर संसद की मर्यादा को तोड़ने करने का काम किया है। खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर श्री मोदी के संसद भवन परिसर में दिए बयान पर कहा कि उन्होंने संसद के समक्ष मुख्य मुद्दों की बात करने की बजाय फिर से ड्रामेबाजी की डिलीवरी की है। पूरे देश ने पहले भी देखा है किस तरह आपने किसान विरोधी काले कानून, जीएसटी, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता जैसे विधेयक संसद में आनन–फानन में ध्वस्त किये। उन्होंने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा उठाया और कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में काम के बोझ के कारण बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) लगातार जान दे रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष की घोषणा जल्द!

खरमास के बाद तेज होगी प्रक्रिया, तीन प्रमुख चेहरों पर दांव

भाजपा को जल्द मिल सकता है नया राष्ट्रीय अध्यक्ष। जे.पी. नड्डा के कार्यकाल विस्तार के बीच, उत्तर प्रदेश के केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय मंत्री ध र्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, शिवराज सिंह चौहान के नाम रेस में सबसे आगे हैं। बिहार में एनडीए की सफलता के बाद एक कैबिनेट मंत्री के नेतृत्व की अटकलें भी हैं। आरएसएस के साथ विचार-विमर्श जारी है, और जनवरी 2026 तक चुनाव संपन्न होने की उम्मीद है।

नयी दिल्ली,01 दिसम्बर (एजेंसी) भाजपा में ऐसी अटकलें तेज हैं कि पार्टी के नए अध्यक्ष की घोषणा जल्द ही हो सकती है। बिहार में एनडीए की जदीत के बाद अटकलें तेज हैं कि राज्य में अहम भूमिका निभाने वाले एक कैबिनेट मंत्री, मौजूदा भाजपा अध्यक्ष जेपी. नड्डा की जगह ले सकते हैं। हालाँकि, इस पद के लिए कुछ केंद्रीय मंत्रियों के नाम भी चर्चा में हैं। सूत्रों ने खुलासा किया कि हाल ही में मध्य प्रदेश के जबलपुर में संपन्न तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में आरएसएस के शीर्ष नेताओं के बीच इस मुद्दे पर विचार–विमर्श हुआ। सूत्रों के अनुसार, पिछले महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा के अच्छे प्रदर्शन का श्रेय पाने वाले एक वरिष्ठ आरएसएस नेता को भी पार्टी में अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। नड्डा को 2019 में भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष और फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2024 के लोकसभा चुनावों तक बढ़ा दिया गया था। 29 राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो चुके हैं और केवल उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों में ही चुनाव अभी जारी हैं ऐसे में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया निर्णायक चरण में पहुँच गई है। जनवरी 2026 तक नए पार्टी अध्यक्ष का चयन होने की उम्मीद है।पार्टी के एक वरिष्ठ सूत्र ने संकेत दिया कि 14 जनवरी के बाद, जब हिंदू पंचांग में अशुभ माने जाने वाले खरमास का समापन होगा और शुभ चरण शुरू होगा, प्रक्रिया में तेजी आएगी। भाजपा के एक शीर्ष पदाधिकारी ने कहा, ष्सभी तैयारियाँ और प्रक्रियाएँ राज्यों में संगठनात्मक चुनावों के साथ–साथ सभी क्षेत्रों में समान रूप से आगे बढ़ रही हैं, और नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जनवरी 2026 तक होने की उम्मीद है।ष उन्होंने आगे कहा कि चुनावों के लिए निर्वाचक मंडलों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 29 राज्य इकाइयों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो चुके हैं जबकि उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में औपचारिकताएँ अभी भी जारी हैं।इस बीच, भगवा हलकों में मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा, जो वर्तमान में सेवा विस्तार पर हैं, के उत्तराधिकारी के रूप में तीन नाम चर्चा में हैं। एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने शुक्रवार को बताया, ष्उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और शिवराज सिंह चौहान उन प्रमुख नामों में शामिल हैं जिन पर चर्चा हो रही है।ष इनमें से, आरएसएस और अमित शाह, दोनों के करीबी माने जाने वाले मौर्य और बिहार चुनाव अभियान के दौरान चुनाव प्रभारी रहे प्रधान, सबसे प्रमुख दावेदारों में उभरे हैं।

अपराध नहीं होने पर भी मामला बना देने के लिए ईडी, भाजपा को नोबेल मिलना चाहिए,नेशनल हेराल्ड केस को लेकर बोले अभिषेक सिंघवी

नयी दिल्ली,01 दिसम्बर (एजेंसी) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक सिंघवी ने सोमवार को कहा कि असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए 'नेशनल हेराल्ड' के मामले को फिर से उछाला गया है, जबकि इस मामले में कोई दम नहीं है क्योंकि पैसे या संपत्ति का कोई लेन–देन नहीं हुआ। उन्होंने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि प्रवर्तन निदेशालय और भाजपा को इस बात के लिए नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए कि जहां कोई अपराध ही नहीं हुआ हो वहां कैसे अपराध का मामला पैदा किया जाता है। वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा, "मोदी सरकार सोनिया गांधी जी, राहुल गांधी जी और कांग्रेस पार्टी को निशाना बनाने के लिए धमकी की राजनीति कर रही है। अर्थव्यवस्था की बर्बादी, देश में फैलती नफरत, बेरोजगारी, विफल विदेश नीति, अमेरिका और चीन की धमकी से देश का ध्यान भटकाने के लिए सरकार नेशनल हेराल्ड का मुद्दा उछाल रही है।"उनका कहना था, "नेशनल हेराल्ड का मामला इकलौता ऐसा उदाहरण है, जहां एक भी पैसे की लेनदेन या फायदे के बिना ध नशोधन का मामला बनाया जा रहा है। इसे तो दुनिया के अजूबों में गिना जाना चाहिए।" सिंघवी के अनुसार, 'नेशनल हेराल्ड' की स्वामित्व कंपनी 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (एजेएल) बहुत पुरानी कंपनी है तथा यह ब्रिटिश काल में अंग्रेजों के खिलाफ भी खड़ी थी। उन्होंने कहा, "कई बार देखा गया है कि आदर्शवाद पर स्थापित संस्थाएं आर्थिक रूप से बेहतर प्रदर्शन नहीं करतीं। यहीं एजेएल के साथ हुआ। अपने इन्हीं आदर्शों को बनाए रखने के लिए कांग्रेस ने अलग–अलग समय पर एजेएल को कर्ज दिया, जो एक वक्त 90 करोड़ रुपये हो गया था।" सिंघवी ने कहा, "ऐसे में फैसला लिया गया कि कैसे इस कंपनी को मजबूत किया जाए। इसलिए लिए जरूरी था कि कंपनी को कर्ज मुक्त किया जाए। इसीलिए उसके कर्ज को हिस्सेदारी में बदल दिया गया। ये काम देश में हर कंपनी करती है।" वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना है कि एजेएल की शेयर होल्डिंग 'यंग इंडियन' नामक इकाई के हाथ में आ गई तथा इस पूरी प्रक्रिया में न तो कोई पैसे लेनदेन हुआ और न ही किसी संपत्ति ली–दी गई। उन्होंने कहा, "इस मामले में एक आरोप पत्र पहले ही दायर हो चुका है तथा यह राउज एवेन्यू (दिल्ली) की विशेष अदालत में लंबित है। मैंने इस मुद्दे पर जिरह की थी कि ये आरोप पत्र निरस्त हो, क्योंकि ईडी के अधिनियम में लिखा है कि जो विभाग या यूनिट सरकारी हो, सिर्फ वही शिकायत कर सकता है।" सिंघवी के मुताबिक, इस मामले में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने अदालत जाकर निजी स्तर पर शिकायत की थी और कुछ समय बाद इस शिकायत को उच्च न्यायालय से स्थगन करवा दिया गया था। उन्होंने कहा, "मुझे कोई संदेह नहीं है कि इसी कमी को ठीक करने के लिए ये नई प्राथमिकी दर्ज की गई है। अब इसी को आधार बनाया जाएगा।" कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा की राजनीति 'विपक्ष को थकाओ, झूठ को सजाओ और एजेंसियों को नचाओ" की है तथा उसका नया नारा "न सबूत, न तर्क, सिर्फ टार्गेट" है। सिंघवी ने सवाल किया, "जहां नींव ही नहीं है वहां इमारत कैसे खड़ी होगी? जब कोई अपराध ही नहीं हुआ तो फिर मामला कैसे बनेगा?" उन्होंने इस बात पर जोर दिया, "भाजपा को समझ लेना चाहिए कि अगर (विपक्ष की) आवाज दबाएगी तो वो और बुलंद होगी। सच को दबाओगे तो वो और प्रचंड होगा। हम न झुकेंगे, न रुकेंगे। भाजपा को जवाब कानून देगा, समय देगा और जनता देगी।"

नई बिहार विधानसभा का आगाजः

शपथ ग्रहण के साथ ही विधायकों ने रोजगार, पलायन रोकने और जनहित पर किया फोकस

नवनिर्वाचित बिहार विधानसभा का पहला सत्र विधिवत शुरू हुआ। विधायकों ने जनता के कल्याण और रोजगार सृजन जैसे प्रमुख मुद्दों पर अपने विचार रखे। जहाँ जद(यू) ने जनसेवा पर जोर दिया, वहीं लोजपा-रामविलास ने युवाओं के पलायन रोकने की बात कही। राजद ने एनडीए की सरकार पर जनादेश का अपमान करने का आरोप लगाया, जबकि भाजपा की सबसे कम उम्र की विधायक ने नई जिम्मेदारी का स्वागत किया।

नयी दिल्ली,01 दिसम्बर (एजेंसी) बिहार की 18वीं विधानसभा का पहला सत्र सोमवार शुरू हुआ, जिसमें विध ायकों ने शपथ ली। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ–साथ विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव का विध ानसभा पोर्टिको में औपचारिक स्वागत किया गया। प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव ने शपथ ग्रहण सत्र की शुरुआत मंत्रियों और उसके बाद नवनिर्वाचित विध ायकों से की।सत्र से पहले, नवनिर्वाचित विधायकों ने बिहार की जनता और अपने निर्वाचन क्षेत्रों के कल्याण के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। जद(यू) के नवनिर्वाचित विधायक विनय कुमार चौधरी ने अपने भाषण में जन कल्याण के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम जनता के लिए काम करते हैं और करते रहेंगे। इससे बिहार की जनता की सेवा पर पार्टी का जोर झलकता है।लोजपा–रामविलास के नवनिर्वाचित विधायक विष्णु देव पासवान ने बिहार के युवाओं के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने कहा, ष्मैं रोजगार के अवसर पैदा करना चाहता हूँ ताकि बिहार के युवाओं को पलायन न करना पड़े। राजनीति के कारण बिहार को वह विकास नहीं मिला जिसका वह हकदार था।ष उन्होंने राज्य में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन की आवश्यकता पर जोर दिया।मौजूदा विधानसभा में राजद से निर्वाचित विधायक भाई वीरेंद्र ने राज्य में एनडीए की जीत का विरोध किया। उन्होंने जनता की चिंताओं को आवाज देने के विपक्ष के संकल्प पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा मनोबल ऊँचा है और जनता ने हमें वोट दिया है। उन्होंने (एनडीए) जनादेश से नहीं, बल्कि वोट चोरी से सरकार बनाई है। हमारी संख्या कम हो सकती है, लेकिन चिंताओं को उठाने की हमारी ताकत कम नहीं होगी।बिहार विधानसभा के इतिहास में सबसे कम उम्र की विधायक बनी भाजपा की नवनिर्वाचित विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा कि यह एक ष्बड़ा दिनष और एक नए जीवन की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए बहुत बड़ा दिन है क्योंकि आज शपथ लेने के बाद मैं विधायक बन जाऊँगी। आज एक नए जीवन की शुरुआत है। पिछले महीने, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंत्री पद की शपथ लेने वाले नवनिर्वाचित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) विधायकों को कैबिनेट विभाग आवंटित किए, और गृह विभाग सहयोगी भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) को सौंपा दिया। उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी को गृह विभाग का प्रभार दिया गया है। 2005 में सत्ता में आने के बाद से कुमार पहली बार गृह विभाग नहीं संभालेंगे।

भगोड़े आर्थिक अपराधियों का राज खुलाः

15 पर 58,000 करोड़ की देनदारी, विजय माल्या और नीरव मोदी का भी नाम

केंद्र सरकार ने लोकसभा को बताया है कि विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे 15 भगोड़े आर्थिक अपराधियों पर बैंकों का कुल 58,000 करोड़ रुपये बकाया है। इन अपराधियों द्वारा 26,645 करोड़ रुपये का मूल नुकसान और 31,437 करोड़ रुपये का ब्याज बकाया है। अब तक 19,187 करोड़ रुपये की वसूली हुई है। भविष्य में देश छोड़ने से रोकने हेतु ऐसी कोई नई नीति फिलहाल विचाराधीन नहीं है।

नयी दिल्ली,01 दिसम्बर (एजेंसी) केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा को सूचित किया कि 31 अक्टूबर, 2025 तक भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 (थ्म्व।) के तहत कुल 15 व्यक्तियों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी (थ्म्व) घोषित किया गया है। यह जानकारी संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा सदस्य और दौसा से कांग्रेस सांसद मुरारी लाल मीणा द्वारा उठाए गए एक अतारांकित प्रश्न के उत्तर में साझा की गई।मीणा ने लोकसभा में वित्त मंत्री से पूछा कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधि ानियम, 2018 के तहत आज तक कितने व्यक्तियों को भगोड़ा आर्थिक अपराध ी घोषित किया गया है, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर किए गए वित्तीय धोखाधड़ी से संबंधित मामलों मेंय इन घोषित भगोड़े आर्थिक अपराधियों द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को हुई कुल वित्तीय हानि (रुपये में) का विवरण, नाम—वार और बैंक—वारय निपटान में शामिल व्यक्तियों का नाम और संख्या, संबंधित बैंकों के नाम, निपटाई गई राशि और दी गई छूट।चौधरी ने कहा कि इन 15 अपराधियों में से नौ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ बड़े पैमाने पर की गई वित्तीय धोखाधड़ी में शामिल हैं। इस सूची में विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौध री ने बताया कि इन 15 भगोड़े आर्थिक अपराधियों (थ्म्व) ने सामूहिक रूप से 31 अक्टूबर, 2025 तक बैंकों को 26,645 करोड़ रुपये का मूल वित्तीय नुकसान पहुँचाया है। इसके अलावा, इन ऋणों पर एनपीए बनने की तिथि से 31 अक्टूबर, 2025 तक अर्जित ब्याज 31,437 करोड़ रुपये है।चौधरी ने सदन को बताया कि 31 अक्टूबर, 2025 तक इन अपराधियों से 19,187 करोड़ रुपये वसूल किए जा चुके हैं। घोषित भगोड़े आर्थिक अपराधियों के नाम हैंरू विजय माल्या, नीरव मोदी, नितिन जे संदेसरा, चेतन जे संदेसरा, दीप्ति सी संदेसरा, सुदर्शन वेंकटरमन, रामानुजम शेषरत्नम, पुष्पेश कुमार बैद और हितेश कुमार नरेंद्रभाई पटेल। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार ऐसी कोई नीति बना रही है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि ऐसे अपराधियों को भविष्य में कानूनी प्रतिबंधों या निगरानी सूची के माध्यम से देश छोड़ने से रोका जा सके, पंकज चौधरी ने कहा कि वर्तमान में ऐसी कोई नीति तैयार नहीं की जा रही है।

लोकसभा में एसआईआर समेत कई मुद्दों पर विपक्ष का भारी हंगामा, सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नयी दिल्ली,01 दिसम्बर (एजेंसी) लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने मतदाता सूची पुनरीक्षण तथा अन्य मुद्दों पर आज भारी हंगामा किया जिसके कारण दो बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेनन्नेटी ने 2 बजे दो बार के स्थगन के बाद जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की विपक्षी सदस्य हंगामा करते हुए सदन के बीचों–बीच आ गए और नारे लगाते हुए शोरशराबा करने लगे। पीठासीन अधिकारी ने हंगामा के बीच सदन की कार्यवाही चलाने का प्रयास किया लेकिन हंगामा बढ़ता गया और सदस्यों ने शांत होने के उनके आग्रह को अनसुना कर दिया। पीठासीन अधिकारी ने हंगामें के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को श्मणिपुर माल और सेवा का (दूसरा संशोधन) विधेयक 2025 पेश करने के लिए कहा। सीतारमण ने बताया कि इस विध ेयक से मणिपुर में सेवा कर आसान हो जाएगा और माल की आवाजाही बढ़ जाएगी। उंन्होने कहा कि यह विधि है 2017 के विधेयक का स्थान लेगा। इस विधेयक के पारित होने से मणिपुर के करदाताओं को फायदा होगा और अनावश्यक कर के भार से वहां के लोगों को मुक्त किया जा सकेगा।संक्षिप्त चर्चा के बाद विधयक पारित कर दिया गया। विधायक पारित होने के बाद पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों को हंगामा नहीं करने की सलाह दी लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई और उन्होंने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। लोक सभा में सोमवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2025–26 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगें (प्रथम बैच) दर्शाने वाला विवरण पेश किया। इसके अलावा श्रीमती सीतारमण ने विधायी कार्य के दौरान मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोध ान) विधेयक 2025 और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किये। पीठासीन संध या राय की अनुमति से सीतारमण ने श्स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयकश 2025 भी पेश किया। इस विधेयक में कुछ विशेष वस्तुओं के उत्पादन और निर्माण से जुड़ी मशीनों या अन्य प्रक्रियाओं पर उपकर लगाने का प्रावधान किया गया है। इस उपकर का इस्तेमाल राष्ट्रीय सुरक्षा तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य के कार्यों के लिए किया जायेगा।

प्रदेश भाजपा नेतृत्व ने प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव की माताजी के निधन पर व्यक्त किया शोक

लखनऊ, ((संवाददाता))। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव की माताजी सुशीला श्रीवास्तव के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट कीं। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पार्टी पूर्ण रूप से श्रीवास्तव परिवार के साथ खड़ी है और ईश्वर से कामना है कि शोक संतप्त परिजनों को धैर्य व शक्ति प्रदान करे।

शांति नगर में छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

लखनऊ((संवाददाता))। शांति नगर स्थित क्रिएटिव स्कूल के पीछे एक मकान में किराए पर रहने वाले छात्र ने सोमवार की सुबह आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिव्यांशु राज (आयु लगभग 19 वर्ष), निवासी लालपुर बाजार, थाना लहरपुर, जिला सीतापुर, अपने भाई अर्पित राज के साथ पिछले लगभग 8द्10 वर्षों से शांति नगर इलाके में किराए पर रहकर पढ़ाई कर रहा था। सोमवार सुबह करीब 9रू30 बजे दिव्यांशु ने कमरे में पंखे से चादर बांधकर फांसी लगा ली। हालत बिगड़ने पर सहवासियों ने उसे तुरंत सीएचसी सरोजिनी नगर पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुँची और जांच–पड़ताल की। मृतक का पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है और आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

न्यू हैदराबाद में पिंक बूथ टीम का जागरूकता अभियान, महिलाओं और बच्चों को दिए सुरक्षा के महत्त्वपूर्ण संदेश

लखनऊ((संवाददाता)) कमिश्नरेट के मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में थाना महानगर की पिंक बूथ 79 टीम ने न्यू हैदराबाद पिंक बूथ के पास महिलाओं और स्कूली बच्चों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया और उन्हें महिला अपराध, साइबर क्राइम और यातायात सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया।यह जागरूकता कार्यक्रम 01 दिसंबर 2025 को आयोजित किया गया। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में लखनऊ कमिश्नरेट के सभी 54 थानों पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं जहां निरीक्षक, अतिरिक्त निरीक्षक, उपनिरीक्षक और महिला उपनिरीक्षक की तैनाती की गई है। इन केंद्रों पर आने वाली महिलाओं की समस्याओं का तुरंत और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है।कार्यक्रम में महिला हे0का0 अंजली यादव और महिला का0 सुनीता कुमारी ने प्रतिभागियों को अपराध से बचाव, साइबर सुरक्षा, सीईआईआर पोर्टल और यूपी कॉप ऐप के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। करीब 20 से 25 महिलाओं और बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागियों को 1090, 112, 108, 1098 और 1076 जैसी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन सेवाओं की पूरी जानकारी दी गई ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त की जा सके।जागरूकता सत्र के दौरान बताया गया कि अपराध से डरना समाधान नहीं है। यदि कोई परेशानी हो या कोई व्यक्ति उत्पीड़न कर रहा हो तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। पिंक बूथ और पुलिस टीम हर समय सहायता के लिए उपलब्ध हैं और 1090 पर कॉल करने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाती है। बच्चों और महिलाओं को आत्मनिर्भर और सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया गया।मिशन शक्ति 5.0 के तहत स्थापित पिंक बूथों का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित, संवेदनशील और अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है, जहां वे बिना किसी भय के अपनी शिकायत दर्ज करा सकें। इन बूथों के माध्यम से तत्काल कार्रवाई, जागरूकता, साइबर सुरक्षा और कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है।कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे किसी भी खतरे की स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें और निडर होकर पुलिस से संपर्क करने का आत्मविश्वास विकसित कर सकें।

भाजपा का 'कुंडी खटकाओ' अभियान,

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी ने मतदाता पुनरीक्षण अभियान एसआईआर के अंतर्गत 'कुंडी खटकाओ' विशेष अभियान को पूरे जोर–शोर के साथ आगे बढ़ाया। अभियान का उद्देश्य आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना और अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को वोटर लिस्ट से जोड़ना

है। राजधानी के कई इलाकों में सुबह से भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता घर–घर पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद करते नजर आए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने स्वयं अभियान में हिस्सा लिया और कार्यकर्ताओं के साथ लखनऊ की कॉलोनियों में पहुंचे। उन्होंने लोगों से कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब हर पात्र नागरिक का नाम वोटर लिस्ट में जुड़ा हो। उन्होंने जनता से यह भी आग्रह किया कि परिवार के प्रत्येक पात्र सदस्य का नाम सूची में अनिवार्य रूप से जोड़ें। घर में मौजूद किसी भी व्यक्ति का नाम न छूटने दें। मतदाता पुनरीक्षण टीम को पूरा सहयोग दें। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि भाजपा का यह अभियान महज राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सहभागिता का बड़ा जन–आंदोलन है। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कैसरबाग कोतवाली के पास की कॉलोनियों में जाकर अभियान की गति बढ़ाई। उन्होंने घर–घर दस्तक देकर निवासियों से बातचीत की और बताया कि नाम जुड़वाने की अंतिम तारीख नजदीक है, इसलिए आवश्यक दस्तावेज समय रहते तैयार रखें। बृजेश पाठक ने कहा कि कई लोग पता बदलने, नौकरी में व्यस्तता या जानकारी के अभाव में अपना नाम जुड़वाने से चूक जाते हैं। टीम के आने पर फॉर्म 6, 7 और 8 के विकल्पों को ध्यान से समझें और जरूरत के अनुसार भरें। नए मतदाताओं, खासकर युवाओं, को सूची में जोड़ना अभियान की मुख्य प्राथमिकता है। लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने अलग–अलग वार्डों में अभियान की जिम्मेदारी संभाली। महानगर इकाई के कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर संपर्क बढ़ाते हुए लोगों को

बीबीएयू में एएनआरएफ पर केंद्रित संवाद सत्र, राष्ट्रीय शोध परिदृश्य में युवाओं की भूमिका पर विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

लखनऊ((संवाददाता)) स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 1 दिसंबर को रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की ओर से वरिष्ठ शिक्षाविदों, तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्यों और एएनआरएफ, दिल्ली के कार्यक्रम अधिकारियों के बीच एक महत्त्वपूर्ण संवाद सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया व कश्मीर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. तलत अहमद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर आईआईटी दिल्ली के प्रो. दिलीप गांगुली, एएनआरएफ के साइंटिस्ट ई डॉ. प्रहलाद राम, कार्यक्रम अध्यक्ष डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू और डॉ. जीवन सिंह उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। विश्वविद्यालय कुलगीत के पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।मुख्य अतिथि प्रो. तलत अहमद ने एएनआरएफ द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न ग्रांट्स, उनकी चयन प्रक्रिया, शोध प्रस्तावों के मूल्यांकन और शोध के सामाजिक व वैज्ञानिक महत्त्व जैसे बिंदुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्रांट प्राप्त करने की प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता आधारित है तथा इसमें शोध प्रस्ताव की गुणवत्ता और उपयोगिता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी बड़े शोध प्रोजेक्ट के सफल संचालन में वैज्ञानिकों के साथ प्रशासनिक और तकनीकी विशेषज्ञों की भूमिका भी समान रूप से महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने छात्रों और युवा शोधकर्ताओं को अनुसंधान की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और कहा कि एएनआरएफ बहु–विषयक सहयोग को बढ़ावा देकर देश के शोध परिदृश्य को नई दिशा दे रहा है।आईआईटी दिल्ली के प्रो. दिलीप गांगुली ने पर्यावरणीय सततता के विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि यह केवल एक अवधारणा नहीं, बल्कि एक गंभीर प्रतिबद्धता है, जिसके लिए संस्थानों, शोधकर्ताओं और नीति–निर्माताओं को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, डेटा–संचालित समाधानों और नवाचार–आधारित अनुसंधान के बिना पर्यावरणीय चुनौतियों को समझना और उनका समाधान निकालना संभव नहीं है।एएनआरएफ के साइंटिस्ट ई डॉ. प्रहलाद राम ने एएनआरएफ की स्थापना की आवश्यकता, उद्देश्य और उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह संस्थान अनुसंधान को मजबूत करने, युवाओं को प्रोत्साहन देने, अत्याधुनिक शोध संरचनाओं तक पहुँच उपलब्ध कराने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से जुड़ाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बना है। उन्होंने ई–महा मिशन प्रोग्राम का भी उल्लेख किया, जो विज्ञान, तकनीक, सामाजिक विज्ञान और नवाचार आधारित शोध को एकीकृत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है।कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. एस. विक्टर बाबू ने एएनआरएफ की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह देश में तमेंमंतबी मबवेलेजमउ को नई गति दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से निरंतर सहयोग और सक्रिय भागीदारी का आश्वासन दिया तथा छात्रों और शिक्षकों को शोध और नवाचार के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया।चर्चा सत्र के दौरान शिक्षकों और विद्यार्थियों ने एएनआरएफ की ग्रांट्स प्रक्रिया, पात्रता, मूल्यांकन, शोध प्रस्ताव तैयार करने और संसाधनों की उपलब्धता से जुड़े कई प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। अंत में डॉ. सुभाष मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, गैर–शिक्षण कर्मचारी, शोधार्थी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दिल्ली ब्लास्ट की मास्टरमाइंड डा. शाहीन के घर छापा, एनआईए ने पिता से पूछताछ की

लखनऊ,(संवाददाता)। दिल्ली ब्लास्ट की मास्टरमाइंड डॉ. शाहीन के घर एनआईए ने छापा मारा। सोमवार सुबह एटीएस को साथ लेकर एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) की टीम लखनऊ पहुंचीं। लखनऊ पुलिस ने डॉ. शाहीन के मोहल्ले में पहरा डाल दिया। अंदर काफी देर तक एनआईए ने शाहीन के पिता और बड़े भाई से पूछताछ की। डॉ. शाहीन का घर लखनऊ में लालबाग के खंदारी बाजार में है। यहां उसके पिता सईद अंसारी और बड़े भाई शोएब रहते हैं। इससे पहले जम्मू–कश्मीर पुलिस और एटीएस ने 11 नवंबर को छापा मारा। इसके बाद से शाहीन के पिता ने घर से बाहर निकलना बंद कर दिया। सोमवार को भी पूछताछ के बाद टीम के निकलते ही भाई शोएब ने दरवाजा बंद कर लिया। डॉ. शाहीन के घर जांच के दौरान बाहर पुलिस का पहरा लगा दिया गया। उधर लोगों का आना–जाना लगभग बंद हो गया। एनआईए की टीम अंदर गई उसके पिता सईद अंसारी और बड़े भाई शोएब से काफी देर तक पूछताछ की।

प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने किया जोन-8 का औचक निरीक्षण, कई वार्डों में गंदगी देखकर जताई कड़ी नाराजगी ,लापरवाही पर अधिकारियों का एक दिन का वेतन काटने के आदेश

लखनऊ((संवाददाता))। नगर की साफदृसफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने और जमीनी हालात जानने के उद्देश्य से वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने सोमवार को जोन–8 के विभिन्न वार्डों का विस्तृत दौरा किया। निरीक्षण में महापौर सुषमा खर्कवाल भी उनके साथ रहीं। कई स्थानों पर बेहद खराब सफाई व्यवस्था देखकर दोनों जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के सख्त निर्देश दिए।दौरे की शुरुआत खरिका प्रथम वार्ड से हुई, जहां तेलीबाग, सुभानी खेड़ा, देवी खेड़ा और मोहारीबाग इलाकों में नालियां गंदगी से भरी मिलीं और सड़कें ठीक से साफ नहीं पाई गईं। इस स्थिति पर मंत्री खन्ना ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए साफ कहा कि नागरिक सेवाओं में लापरवाही किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापौर खर्कवाल ने भी सफाई कर्मियों की अनुपस्थिति और ड्रेस कोड की अनदेखी पर असंतोष व्यक्त

किया।इसके बाद मंत्री ने खरिका द्वितीय वार्ड का निरीक्षण किया। काशीराम कॉलोनी में उन्होंने सफाई और जलनिकासी व्यवस्था को लेकर गंभीर खामियां पाईं और तुरंत सफाई अभियान तेज करने तथा नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के समय जलभराव रोकने के लिए समय पर कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है।जोन 8 के इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड स्थित ईश्वरी खेड़ा गांव में भी सफाई की स्थिति खराब मिली। विस्तारित क्षेत्र की उपेक्षा देखकर मंत्री खन्ना ने नाराजगी जताई और निर्देश दिया कि नगर निगम का दायित्व हर मोहल्ले और गांव में समान सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसलिए लापरवाही बिल्कुल स्वीकार नहीं होगी।राजा बिजली पासी प्रथम वार्ड के चिल्लावाँ बाजार और अमौसी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान खराब स्ट्रीट लाइटें, उफनता नाला और अव्यवस्था मिली। उन्होंने मौके पर ही नाला तुरंत साफ करने के निर्देश दिए। स्थानीय निवासियों ने पंपिंग स्टेशन पर इलेक्ट्रिक मोटर लगाने की समस्या भी उनके सामने रखी, जिस पर उन्होंने समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए। मंत्री ने कहा कि नाले की निकासी सुचारू करने के लिए जल्द ठोस कदम उठाए जाएंगे।राजा बिजली पासी द्वितीय वार्ड, नटकुर में सफाई व्यवस्था अपेक्षाकृत बेहतर मिली। मंत्री ने संतोष जताते हुए कहा कि अन्य वार्डों को भी इसी स्तर की कार्यकुशलता हासिल करनी चाहिए।निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, नम्रता सिंह, चीफ इंजीनियर (सिविल) महेश वर्मा, जोनल अधिकारी विकास सिंह, जोनल सेनेटरी ऑफिसर जितेंद्र गांधी, अधिशासी अभियंता शील श्रीवास्तव सहित नगर निगम के कई अधिकारी मौजूद रहे।जोन–8 में मिली लापरवाही को गंभीर मानते हुए मंत्री सुरेश खन्ना ने जोनल अधिकारी विकास सिंह, जोनल सेनेटरी ऑफिसर जितेंद्र गांधी और एसएफआई मीरा राव समेत संबंधित टीम का एक दिन का वेतन काटने के आदेश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि साफदृसफाई सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है और इसमें कोताही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बिजली बिल राहत योजना 2025,26 का शुभारंभ: उपभोक्ताओं को मिलेगी ऐतिहासिक राहत, तीन चरणों में होगा पंजीकरण

लखनऊ((संवाददाता)) उत्तर प्रदेश सरकार की बहुप्रतीक्षित और उपभोक्ताओं के लिए अत्यंत लाभकारी 'बिजली बिल राहत योजना 2025द26' का आज पूरे प्रदेश में विधिवत शुभारंभ हो गया। नगर विकास और ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने प्रयागराज के सोरांव सब स्टेशन से इस ऐतिहासिक योजना की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने प्रतापगढ़ के कुंडा सब स्टेशन और रायबरेली के ऊंचाहार सब स्टेशन में भी मेगा कैंप का उद्घाटन कर योजना को प्रदेशव्यापी स्वरूप दिया।

कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यह योजना न केवल उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत देगी, बल्कि बिजली विभाग और उपभोक्ताओं के बीच विश्वास और सहयोग के नए अध्याय की शुरुआत करेगी। उन्होंने इसे सरकार की संवेदनशील और परिणामकारी शासन–व्यवस्था का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया। शुभारंभ समारोह में पहले पंजीकरण करने वाले पाँच उपभोक्ताओं को मंत्री शर्मा ने प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया और इसे बकाया बिलों से जूझ रहे उपभोक्ताओं के लिए 'नई राहत की किरण' बताया।योजना के प्रथम चरण में पंजीकरण कराने वाले उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत ब्याज माफी और मूलधन पर 25 प्रतिशत की विशेष छूट मिलेगी। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि सरकार ने पंजीकरण प्रक्रिया को आमजन के लिए अत्यंत सरल और सुलभ बनाया है। उपभोक्ता विभागीय वेबसाइट नचचबस.वतह, खंडध्उपखंड कार्यालयों, जन सेवा केंद्रों (ब्) और विभागीय कैश काउंटरों पर पंजीकरण करा सकते हैं। विभाग व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चला रहा है ताकि अधिकतम उपभोक्ता योजना का लाभ उठा सकें।योजना तीन चरणों में लागू होगीकृपहला चरण 1 से 31 दिसंबर 2025, दूसरा चरण 1 से 31 जनवरी 2026 और तीसरा चरण 1 से 28 फरवरी 2026 तक चलेगा। पहले चरण में 100: ब्याज माफी के साथ 25: मूलधन छूट, दूसरे चरण में 15: तथा तीसरे चरण में 10: छूट मिलेगी। मंत्री ने कहा कि वन–टाइम सेटलमेंट की यह व्यवस्था उन उपभोक्ताओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जिनके बिल ब्याज और सरचार्ज के कारण काफी बढ़ गए हैं। सरकार ने भुगतान को आसान बनाने के लिए 750 और 500 रुपये की मासिक किस्त की सुविधा भी उपलब्ध कराई है।ऊर्जा मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को जानकारी दी जाए, पंजीकरण प्रक्रिया सुचारू रखी जाए और सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि यह विभाग की जिम्मेदारी है कि हर जरूरतमंद परिवार तक राहत का लाभ पहुँचे।इस अवसर पर मंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उपभोक्ता हितों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण ही प्रदेश में छह वर्षों से बिजली दरों में कोई वृद्धि नहीं हुई और अब यह ऐतिहासिक राहत योजना लागू की जा सकी है। उन्होंने कहा कि यह योजना लाखों परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी।मंत्री ने सभी बकायेदार उपभोक्ताओं से अपील की कि वे इस अवसर का लाभ अवश्य उठाएं और जल्द से जल्द पंजीकरण कर राहत योजना का हिस्सा बनें। कार्यक्रम में फाफामऊ के विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, फूलपुर के विधायक दीपक पटेल, विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी, ऊंचाहार के विधायक मनोज पांडेय, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी शंभू कुमार, मध्यांचल की एमडी रिया केजरीवाल सहित कई जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में उपभोक्ता उपस्थित रहे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. श्रीप्रकाश जायसवाल को नेहरू भवन में भावपूर्ण श्रद्धांजलि, कांग्रेसजनों ने याद किए उनके संघर्ष और योगदान

लखनऊ((संवाददाता)) में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय नेहरू

भवन में आज पूर्व केंद्रीय मंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे स्व. श्रीप्रकाश जायसवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एकत्र होकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे। सभा के दौरान उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया और उनके लंबे राजनीतिक जीवन, संघर्षों तथा संगठन के प्रति समर्पण पर विस्तार से चर्चा हुई।स्व. श्रीप्रकाश जायसवाल का निधन शुक्रवार, 28 नवंबर को हुआ था। उनके निधन ने न केवल कानपुर बल्कि पूरे प्रदेश की राजनीति को गहरा आघात पहुँचाया है। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि वे एक जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद रखने वाले और हर परिस्थिति में पार्टी के साथ मजबूती से खड़े रहने वाले नेता थे। शहर अध्यक्ष से लेकर प्रदेश अध्यक्ष, मेयर से लेकर कानपुर के तीन बार सांसद और दो बार केंद्रीय मंत्री बनने तक उनकी राजनीतिक यात्रा कांग्रेस संगठन के प्रति समर्पण का प्रमाण थी।सभा में वरिष्ठ प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने अपने संस्मरण साझा करते हुए बताया कि 2009 के लोकसभा चुनाव में जब वे उनके चुनाव प्रभारी थे, तब पूरे कानपुर में "आपका श्रीप्रकाश जायसवाल" नारा दिखाई देता था। उन्होंने कहा कि जायसवाल कार्यकर्ताओं के चहेते, मिलनसार और सरल व्यक्तित्व वाले नेता थे जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता। आज के राजनीतिक माहौल में ऐसे नेताओं से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।कार्यक्रम में उपस्थित अन्य नेताओं ने भी दिवंगत नेता के मार्गदर्शन, संगठनात्मक कौशल और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि उनके जाने से एक अनुभवी और संवेदनशील नेतृत्व की कमी पैदा हुई है, जिसकी भरपाई लंबे समय तक संभव नहीं होगी।नेहरू भवन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, वरिष्ठ प्रवक्ता अंशू अवस्थी, लखनऊ जिला कांग्रेस अध्यक्ष रुद्र दमन सिंह 'बबलू', वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव, प्रवक्ता हम्माम वाहिद, वरिष्ठ नेता सिद्धि श्री, विधानसभा प्रत्याशी अकबर अली सहित अनेक नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभा के अंत में सभी ने दिवंगत नेता की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता अभियान चलाया

लखनऊ,(संवाददाता)। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय के मार्ग दर्शन एवं एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत कैडेट निकिता सिंह, अनुष्का पटेल, वैष्णवी श्रीवास्तव, शुभी सिंह ने एचआईवी एड्स के कारणों पर चर्चा करते हुए बताया कि संक्रमित सुई के प्रयोग से,असुरक्षित यौन संबंध से, गर्भवती माता से होने वाले शिशु को तथा संक्रमित रक्त के चढ़ाने से कोई भी इस बीमारी से संक्रमित हो सकता है। इस रोग से ग्रसित रोगी की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है जिस कारण से वह शारीरिक तथा मानसिक रूप से अस्वस्थ हो जाता है। हमेशा जाँचा हुआ रक्त ही

प्रयोग करना चाहिए, सुरक्षित यौन सम्बन्धा को अपनाना चाहिए, सदैव नई सुई व सिरिंज का इस्तेमाल ही करना चाहिए। कैडेटस ने बताया कि एडस संक्रमित व्यक्ति को छूने, साथ खाना खाने, देखभाल करने आदि से नहीं फैलता। प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने कहा कि व्यक्ति का स्वास्थ्य उसकी सबसे बड़ी पूंजी होती है, इसलिए स्वास्थ्य के प्रति सदैव सचेत रहना चाहिए, तभी हम समाज के प्रति भी अपने दायित्वों का निर्वहन करने में सक्षम हो सकेंगे। जागरूकता अभियानों में भाग लेकर लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने में युवा कैडेट्स की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। कार्यक्रम संयोजक मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढी के अनुसार एडस वह स्थिति है जब संक्रमण इतना बढ़ जाता है कि व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली बहुत कमजोर हो जाती है और छोटे से छोटा संक्रमण में जीवन के लिए खतरनाक हो जाता है यदि समय से इलाज ना हो तो यह वाइरस धीरे–धीरे शरीर की रोग प्रतीकारक क्षमता को घटाता है, इसलिए आवश्यकता है कि स्वयं सुरक्षित रहें अपने व्यवहार में संयम और सावधानी रखें। युवाओं पर ही देश की दशा व दिशा निर्भर करती है इसलिए इन्हें स्वास्थ्य के प्रति सचेत करना आवश्यक है। कैडेटस ने इस बात का संकल्प भी लिया कि एड्स एक वैश्विक चुनौती है जिससे हम सभी को मिलकर लड़ना है , समय पर जानकारी सावधानी और उपचार से इसे रोका और नियंत्रित करना हमारी जिम्मेदारी है।जागरूकता अभियान में 19 यूपी. गर्ल्स बटालियन से सूबेदार राज कुमार राई, महाविद्यालय से अंडर ऑफिसर अंजलि बाजपेई, सिद्धी यादव, प्रीति कुमारी,मुस्कान साहू उरूज, मुस्कान कु. श्वेता, विनीता, रिया, लक्ष्मी, इला, अलीशा, प्रिया रावत, मुस्कान बानो , जूही मिश्रा आदि कैडेटों ने भाग लिया।

बीएलओ ने किया सुसाइड, पत्नी बोली- चार बेटियाँ हैं, कैसे पालूंगी

लखनऊ,(संवाददाता)। मुरादाबाद में हड़कंप मच गया जब एक सहायक अध्यापक की पत्नी ने शव का पोस्टमॉर्टम ही रुकवा दिया।रोते–बिलखते महिला ने प्रशासन के सामने 5 करोड़ रुपये मुआवजा और पति की जगह नौकरी की मांग रख दी। मामला इतना गंभीर हो गया कि पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। मृतक सहायक अध्यापक का नाम सर्वेश सिंह था। वे मुरादाबाद के कंपोजिट विद्यालय जाहिदपुर भगतपुर टांडा में बतौर सहायक अध्यापक तैनात थे। वे बीएलओ बूथ लेवल ऑफिसर का काम भी कर रहे थे। उनकी पत्नी बबली देवी ने मीडिया के सामने खुलकर सारी रोते हुए बताया, मेरे पति एसआईआर फॉर्म भरने के दबाव में थे। डीएम, एसडीएम, सुपरवाइजर के मैसेज लगातार आते थे काम करो, टारगेट पूरा करो, तुम्हारा टारगेट बहुत नीचे जा रहा है। इसी टेंशन में उन्होंने आत्महत्या कर ली। बबली ने आगे कहा, वे मुझसे बार–बार कहते थे , अगर यह काम पूरा नहीं किया तो मेरे ऊपर कार्रवाई होगी, जेल भी हो सकती है। सर्वेश ने सुसाइड नोट भी छोड़ा है जिसमें उन्होंने अपनी मजबूरी लिखी है।सुसाइड नोट में सर्वेश सिंह ने लिखा, मेरी चार छोटी–छोटी बेटियाँ हैं। सास हैं। देवर–देवरानी बाहर रहते हैं। अभी किसी बच्ची की शादी भी नहीं हुई। मैं जा रहा हूँ तो ये सब कैसे जिएंगे? यह पढ़कर बबली का दिल टूट गया। वे बार–बार बेहोश हो रही थीं और चीख रही थीं –ल मेरे बच्चों का क्या होगा? ये इतनी छोटी हैं कैसे पालूंगी?बबली ने पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर डेरा जमा लिया और शव का पोस्टमॉर्टम कराने से साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा, जब तक मुझे 5 करोड़ रुपये मुआवजा और मेरे पति की जगह नौकरी नहीं मिल जाती, मैं पोस्टमॉर्टम नहीं होने दूंगी। हैरानी की बात यह है कि इतना बड़ा हंगामा होने के बावजूद मुरादाबाद के डीएम, एसडीएम या किसी बड़े अधिकारी ने परिवार से मिलने तक की जहमत नहीं उठाई।

आमजन की समस्याओं के समाधान पर निगरानी रखें पुलिस अधिकारी

मुख्यमंत्री ने सुनी जनता की समस्याये, किया समाधान

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ में जनता दर्शन कार्यक्रम में नागरिकों की शिकायतों का समाधान किया। उन्होंने विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को ध्यान से सुना। मुख्यमंत्री ने नागरिकों द्वारा प्रस्तुत किए गए लिखित आवेदनों की समीक्षा की और उन्हें समय पर सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने उपस्थित बच्चों से भी गर्मजोशी से बातचीत की, उनकी चिंताओं का समाधान किया और उन्हें सामुदायिक विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।उन्होंने सरकार और जिला अधिकारियों को संभल के चरणबद्ध विकास के निर्देश दिए और यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि जिले का विकास सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद में तैनात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को पीड़ितों की समस्याओं के स्थानीय स्तर पर समाधान पर विशेष जोर दिया।पुलिस से जुड़े मामलों में निष्पक्षता व पारदर्शिता पूर्वक कार्रवाई पर अधिकारी विशेष ध्यान दें।श्जनता दर्शनश में 42 से अधिक फरियादी पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हर एक से मिलकर उनकी समस्याएं जानीं और उचित कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। 'जनता दर्शन' में जमीनी विवाद, राजस्व व पुलिस से संबंधित भी कई मामले आए। इस पर सीएम ने निर्देश दिया कि पुलिस कार्रवाई निष्पक्षता व पारदर्शिता से की जाए।पुलिस कमिश्नर, एडीजी, एसएसपी व एसपी जनता की समस्याओं की निगरानी रखें और प्रमुखता से उसके निस्तारण पर ध्यान दें।दो पीड़ितों ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त आर्थिक सहायता की गुहार लगाई।

सर्वज्ञ एमयूएन का समापन समारोह सम्पन्न

लखनऊ ।आज बिड़ला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल में समापन समारोह सम्पन्न हुआ अखिल भारतीय विद्युत महासंघ के अध्यक्ष शैलेन्द्र दुबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, एच एन पांडे, रीना त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। सर्वज्ञ 2025में संयुक्त राष्ट्र और भारत विषयों से संबंधित सेवाज्ञ वाद–विवाद प्रतियोगिता हुई जिसमें विभिन्न स्कूलों और कॉलेज के छात्र मिलते हैं और चर्चा करते हैं और साथ ही कुछ एजेंडों पर बहस भी करते हैं तर्क वितर्क और निष्कर्ष के आधार पर विजेता का चुनाव किया जाता है। सभी विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्या उजमाना मासेह ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

हमारा प्रयास जनपद का विकास में पूजा, पुष्पा, गायत्री बनीं आत्मनिर्भर.

संजय त्रिपाठी ब्यूरो आगरा मण्डल

फिरोजाबाद ।हमारा प्रयास जनपद का विकास के अन्तर्गत 3 युवतियों पूजा अग्रवाल, पुष्पा, गायत्री ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का लाभ उठाकर अपना स्वंय का रोजगार शुरू किया, इन युवतियों में पूजा अग्रवाल, पुष्पा, गायत्री है, यह तीनो युवतियां मध्यमवर्गीय परिवार से आती है, तीनों युवतियां अपने पैरों पर खडा होने हेतु निरंतर प्रत्यनशील थी, परन्तु इन्हे सही मुकाम नही मिल पा रहा था, तभी इन्हे मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के विषय में ज्ञात हुआ, साथ ही उन्हे यह भी ज्ञात हुआ कि इस योजना के तहत सरकार प्रत्येक युवा को स्वरोजगार बनाने हेतु कृतसंकल्पित है, जिससे किसी भी युवा को अपना स्वरोजगार शुरू करने हेतु अन्यत्र कही भटकना न पडे, इन तीनों युवतियों ने शीघ्र ही मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत अपना आवेदन किया, शीघ्र ही बैंकों नें इनका आवेदन स्वीकार करते हुए इन्हे 5 लाख की धनराशि स्वीकृत किया, इस धनराशि से पूजा अग्रवाल ने ''मां कैला देवी पोशाक केन्द्र'' की शुरूआत की, पुष्पा ने ''बिटटू–सीटू ब्यूटी पार्लर की'' शुरूआत की, जबकि गायत्री ने ''गायत्री बैगंल्स डेकोरेशन की'' शुरूआत की,'' शीघ्र ही यह युवतियां इस धनराशि की मदद से स्वंय रोजगारप्रदाता बन गयी, इनके कठोर श्रम से शुरू किया गया रोजगार शीघ्र ही प्रगति के पथ पर अग्रसर हो गया, आज यह तीनों युवतियां न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन चुकी है, बल्कि अपने परिवार का सहारा भी बन रही है, इन युवतियों से प्रेरणा लेकर आज कई महिला युवतियां इस योजना का लाभ उठाकर अपने पैरों पर खडी हो रही है, अपने जीवन में आये इस गुणात्मक बदलाव के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिलाधिकारी रमेश रंजन का कोटि –कोटि धन्यवाद अर्पित कर रहीं है।

एक दिवसीय रोजगार मेला होगा आयोजित

हमीरपुर ।जला सेवायोजन अधिकारी हमीरपुर ने बताया कि

निदेशालय प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उ0प्र0, लखनऊ के निर्देशानुसार कार्यालय द्वारा दिनांक 04.12.2025 दिन–गुरूवार को प्रातः 10रू30 बजे से के0पी0 निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सुमेरपुर, हमीरपुर में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। उक्त जॉब फेयर में कई प्रतिष्ठित कम्पनियों,नियोजकों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपना तवरहंतेंदहंउ.नच.हवअ.पद ऑनलाइन आवेदन करते हुये अपने समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्रों व फोटो सहित उक्त तिथि व समय पर मेले में प्रतिभाग करते हुये इस अवसर का लाभ उठा सकते है, किसी कारणवश ऑनलाइन न कर पाने की स्थिति में आप सीधे भी प्रतिभाग कर सकते है।

जीएलए का 14वां दीक्षांत समारोह 3 को

-केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज एवं अन्य हस्तियां करेंगी शिरकत

(मथुरा)

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा (उ.प्र.) का 14वां दीक्षांत समारोह 3 दिसंबर बुधवार को मनाया जाएगा। समारोह में वर्ष 2025 में विभिन्न पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय स्थित विशाल ऑडिटोरियम में होने वाले इस समारोह में मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री वित्त मंत्रालय पंकज चौधरी द्वारा वर्ष 2025 में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों के सफल विद्यार्थियों को 21 गोल्ड मेडल, 21 सिल्वर मेडल और सेंटर ऑफ डिस्टेंस ऑनलाइन एजुकेशन की 1166 डिग्रियों सहित 5548 उपाधियां प्रदान करेंगे। साथ ही बीएससी ऑनर्स बायोटेक, बीएससी ऑनर्स केमिस्ट्री, बीएससी ऑनर्स फिजिक्स, बीए ऑनर्स अंग्रेजी, बीबीए फैमिली बिजनेस, बीकॉम ऑनर्स ग्लोबल एकाउंटिंग, बीटेक बायोटेक, बीटेक ईसी, बीटेक ऑनर्स सीएस, सीएस सीसीवी, सीएस–सीएसएफ, बीकॉम ऑनर्स एलएलबी, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, केमिस्ट्री, एमफार्म फार्माकोलॉजी, फार्मास्युटिक्स, बीएड, डिप्लोमा फार्मेसी सहित डिप्लोमा इंजीनियरिंग के 24 विद्यार्थियों को मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने आगे बताया कि जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा (उ.प्र.) से वर्ष 2025 में पीएचडी के 69, बीएससी ऑनर्स

एग्रीकल्चर 71, बीएससी ऑनर्स बायोटेक के 21, बीएससी ऑनर्स कैमिस्ट्री के 19, बीएससी ऑनर्स फिजिक्स के 11, बीए ऑनर्स अंग्रेजी के 23, बीबीए के 215, बीबीए ऑनर्स 147, बीबीए फैमिली बिजनेस 24, बीकॉम ऑनर्स 476 एवं ऑनर्स 37, बीफार्म 77, बीएड 20, बीए एलएलबी ऑनर्स 42, बीकॉम एलएलबी ऑनर्स 12, एमएससी एग्रीकल्चर एग्रोनॉमी, एंटोमोलॉजी एवं जीपीबी 3, एमएससी बायोटेक 10, माइक्रो एंड इम्यूनोलॉजी 5, एमएससी कैमिस्ट्री 11, गणित 4, फिजिक्स 3, एमटेक सीई स्ट्रक्चरल एवं ट्रांसपोर्टेशन 4, एमटेक सीएस 7, ईई 2, ईसी 2, एमटेक एमई प्रोडक्शन 3, एमबीए 604, एमबीए–बीए 25,

ग्लोबल एकाउंटिंग 10, बीकॉम ऑनर्स 59, बीटेक बायोटेक्नोलॉजी 24, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग 39, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग 32, इलेक्ट्रॉनिक्स 5, मैकेनिकल इंजीनियरिंग 41, एमई ऑटोमोबाइल एवं मेकाट्रॉनिक्स 2, बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजी. 23, ईसी सीएस 34 एवं वीएलएसआई 9, कम्प्यूटर साइंस के 1138, बीटेक ऑनर्स सीएस 28, सीएस एआईएमएल 153, सीएस सीसीवी 25, सीएस डीए 34, सीएस सीएसएफ 24, सीएस आइआइओटी 7, बीसीए ऑनर्स 30, एफएमबी 33, इंटेग्रेटेड 8, एलएससीएम 27, एमसीए 240, एमफार्म फार्माकोलॉजी एवं फार्मास्युटिक्स 25, एलएलएम बीएफआईएल एवं सीडीपीएल के 14 विद्यार्थियों की उपाधि अनुमोदित की गई है। इसके अलावा डिप्लोमा कैमिकल के 12, डिप्लोमा सिविल इंजी. के 29, डिप्लोमा सीएस के 79, डिप्लोमा ईई 68, डिप्लोमा ईसी के 15, डिप्लोमा एमई के 116, डिप्लोमा इन लाइब्रेरी इंफॉर्मेशन साइंस के 7 तथा डिप्लोमा इन फार्मेसी के 45 विद्यार्थियों को डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे।

कुलपति ने बताया कि उपाधियों और स्वर्ण पदक प्रदान करने के बाद विशिष्ट अतिथि आईआईटी कानपुर भौतिकी विभाग के पूर्व प्रोफेसर पद्मश्री एचसी वर्मा तथा सिप्ला हेल्थ लि. मुंबई के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ शिवम पुरी संबोधन देंगे। तत्पश्चात मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री वित्त मंत्रालय पंकज चौधरी दीक्षांत भाषण देंगे। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल करेंगे।

शैक्षिक शोभायात्रा से होगी दीक्षांत समारोह की शुरूआत

दीक्षांत समारोह के कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत शैक्षिक शोभायात्रा के आगमन, दीप प्रज्ज्वलन व सरस्वती वंदना से होगी। तत्पश्चात् कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल द्वारा दीक्षांत समारोह के प्रारम्भ की उद्घोषणा, कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति प्रतिवेदन, मानद उपाधि प्रदान करना, उपाधि प्रमाण पत्र वितरण, शपथ ग्रहण, पदक वितरण, मुख्य अतिथि द्वारा दीक्षांत सम्बोधन, धन्यवाद ज्ञापन, कुलाधिपति महोदय द्वारा दीक्षांत समारोह के समापन की उद्घोषणा, राष्ट्रीयगान एवं शैक्षिक शोभायात्रा का प्रस्थान होगा।

मेडिकल कालेज जौनपुर में वार्षिक उत्सव का भव्य शुभारंभ

जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में सोमवार को बड़े ही हर्षोल्लास और

उत्साह के साथ वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किए। विशिष्ट अतिथि के रूप में एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशु जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति तथा विधायक मडियाहूं डा0 आरके पटेल उपस्थित रहे। मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य प्रो0आर0बी0 कमल ने मंत्री को कॉलेज की शैक्षणिक स्वास्थ्य सेवाओं एवं अवसंरचनात्मक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कॉलेज में शिक्षण, शोध तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को उच्च मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है छात्रों एवं रोगियों दोनों को सर्वोत्तम वातावरण उपलब्ध हो सके। कालेज प्रशासन पूर्ण समर्पण के साथ जौनपुर मेडिकल कॉलेज को प्रदेश के उत्कृष्ट चिकित्सा संस्थानों की श्रेणी में स्थापित करने हेतु कार्यरत है। सभी विभाग आधुनिक सुविधाओं से किए जा रहे हैं और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा देने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारी प्राथमिकता है कि जल्द से जल्द मेडिकल कॉलेज में आईपीडी सेवाओं का शुभारंभ किया जाए।

जिससे क्षेत्र की जनता को समय पर एवं उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें। और शेष व्यवस्थाओं को शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा। जब वर्तमान में मेरे यहाँ इमरजेंसी सुविधा उलब्ध हैं जिसमें लगभग 20 मरीजों को भर्ती करके इलाज किया जा रहा है अभी तक हम सभी मरीज को यही ठीक करके घर भेज चुके है किसी को उच्च सेन्टर में इलाज के लिए रेफर नहीं किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, डाक्टरों व स्टाफ की उपलब्धता बढ़ाने तथा उपकरणों व आवश्यक मशीनरी को व्यवस्थित तरीके से स्थापित करने की संकल्प भी व्यक्त किया। उन्होंने आश्वस्त दिया कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि मेडिकल कॉलेज न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि चिकित्सा सेवाओं में भी उत्कृष्टता का केंद्र बने। इसके लिए प्रशासन शासन और जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मेडिकल कॉलेज के प्रो० कमल ने मंत्री एवं उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि उनके समर्थन से मेडिकल कॉलेज की प्रगति में और तेज होगी। प्रधानाचार्य ने यह कार्यक्रम आज से प्रारम्भ होकर 6 दिसम्बर तक लगातार विभिन्न खेल प्रतियोगिता एवं सास्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से संपन्न होगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि माननीय मंत्री श्री गिरीश चन्द्र यादव जी ने योगी सरकार एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तृत उल्लेख किया उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज जौनपुर के सुचारू संचालन के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं। मंत्री ने बताया कि जब से मेडिकल कॉलेज की नींव रखी गई है, तभी से मेरा संकल्प रहा है कि यह संस्थान जल्द से जल्द पूर्ण रूप से संचालित होकर जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करें। और उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास है कि क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए दूरदराज न जाना पड़े और उन्हें यही उच्चस्तीय चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हों। मेडिकल कालेज को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने और सभी विभागों को पूर्ण क्षमता के साथ संचालित कराने हेतु सराकर की ओर से हर सम्भव सहायता प्रदान की जाएगी। गिरीश चंद यादव ने कालेज के प्रधानाचार्य को आश्वासन दिया कि ष्कालेज के विकास और आईपीडी सहित सभी व्यवसस्थाओं सुचारू रूप से प्रारंभ कराने में हमारा संपूर्ण सहयोग हमेशा रहेगा।राज्य मंत्री एवं एम०एल०सी० बृजेश सिह प्रिंशु द्वारा फीता काटकर एवं गुब्बारे को हवा में छोड़कर तथा स्वयं किकेट खेकर कर प्रथम दिन के खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। वार्षिक उत्सव के सफल संचालन की जिम्मेदारी नोडल अधिकारी डा० मुदित चौहान एवं डा० पूजा पाठक द्वारा अत्यंत कुशलता, अनुशासन एवं गरिमा के साथ निभाई गई। दोनों ने कार्यक्रम की सम्पूर्ण रूपरेखा, समन्वय तथा मंच संचालन को उत्कृष्ट तरीके से संपादित किया, जिससे पूरा आयोजन सुचारू, व्यवस्थित और आकर्षक रूप से संपन्न हुआ।इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० ए०ए० जाफरी, डीन रिसर्च प्रो० रुचिरा सेठी, डीन एकेडमिक प्रो० तबस्सुम याशमीन, स्पोर्ट कमेटी अध्यक्ष, प्रो० उमेश कुमार सरोज, प्रो० भारती यादव, डा० साधना अजय, डा० अरविन्द पटेल, डा० आदर्श कुमार यादव, डा० सी०बी०एस० कर्नल पटेल, डा० अनुज सिंह, डा० सरिता पाण्डेय, डा० राजश्री यादव, डा० ३स्वाती विश्वकर्मा, डा० अचल सिंह, डा० रोहित कुमार सरोज, डा० चन्द्रभान, डा० विनोद वर्मा, डा० अर्चना, डा० प्रियंका सिंह, डा० रेनू, प्रीति विश्वकर्मा, डा० बृजेश कन्नौजिया, डा० अजय, डा० पंकज एवं एम०बी०बी०एस० व पैरामेडिकल छात्रध्छात्राएं तथा कर्मचारी व विभिन्न समाचार पत्र से आये हुए पत्रकार व छायाकार बन्धु उपस्थित रहें।

विश्व एड्स दिवस पर परेड एवं गोष्ठी का आयोजन

हमीरपुर। विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाये जाने हेतु षविश्व एड्स दिवस परेडष का शुभारम्भ जिला पुरुष चिकित्सालय हमीरपुर परिषर से मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया। परेड में स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ–साथ एन०एस०एस० के छात्र, आम जनमानस एवं सुमित्रा सामाजिक कल्याण संस्थान, हमीरपुर के कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। परेड का समापन जिला पुरुष चिकित्सालय से मेन रोड से एच०आई०वी० सम्बन्धित नारे लगाते हुये मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में किया गया। तत्पश्चात् मुख्य चिकित्सा अधिकारी कक्ष हमीरपुर में एक संगोष्ठी का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, हमीरपुर की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी, हमीरपुर द्वारा एच०आई०वी० की रोकथाम हेतु संगोष्ठी में उपस्थित समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों, आम जनमानस एवं सुमित्रा सामाजिक कल्याण संस्थान, हमीरपुर के कर्मचारियों को जागरूक करते हुये विस्तृत जानकारी दी गयी। डा० बी०पी० सिंह, जिला क्षय रोग अधिकारी, हमीरपुर द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को ओ०पी०डी० में आने वाले सभी मरीजों के साथ एक समान व्यवहार अपनाया जाना, एच०आई०वी० संक्रमित मरीजों से दुर्व्यवहार, भेदभाव न किया जाये एवं संक्रमित मरीजों का डाटा प्रस्तुत करें, कहा गया। संगोष्ठी में अपरध्उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा० आर०एस० प्रजापति, फिजीशियन, समस्त आई०सी०टी०सी० काउन्सलर प्रशान्त कुमार, श्रीमतीनीतू संखवार, विनय कुमार एवं सुमित्रा सामाजिक कल्याण संस्थान, हमीरपुर के कर्मचारी मौजूद रहे। संगोष्ठी का संचालन अनिल यादव स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया। उपरोक्त के अतिरिक्त दोपहर 02रू00 बजे जिला कारागार हमीरपुर में बन्दियों को एच०आई०वी० एड्स के बारे में जागरूक किये जाने हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी, हमीरपुर द्वारा विस्तृत जानकारी दी गयी। जिला क्षय रोग अधिकारी, हमीरपुर द्वारा एच०आई०वी० की रोकथाम हेतु विस्तृत जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला क्षय रोग अधिकारी, अधीक्षक जिला कारागार, वरूण पाण्डेय, डी०पी०टी०सी०,प्रशान्त कुमार, आई०सी०टी०सी०,काउन्सलर,धीरज कुमार, एस०टी०आई० काउन्सलर, प्रिजन कोर्डिनेटर आदि मौजूद रहे। संगोष्ठी का समापन डा० बी०पी० सिंह के द्वारा उपस्थित समस्त आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया।

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मश्डल इण्टर कालेज में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

प्रयागराज, समहन उरुवा में विद्यालय के वार्षिकोत्सव एवं कैरियर गाइडेंस मेले का आयोजन हुआ ,जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री विश्व मोहन द्विवेदी जी (अध्यक्ष रोजगार कार्यालय) , विशिष्ट अतिथि यातायात निरीक्षक श्री पवन कुमार पाण्डेय व

कई विद्यालय के प्रधानाचार्य नीलम चतुर्वेदी डिघिया मंडा,वंदना तिवारी जीजीआईसी फाफामऊ,प्रतिज्ञा सिंह चौहान जीजीआईसी हंडिया,,शाजिया परवेज जीजीआईसी नारीबारी,ताज अंसारी,नूरी रहमान,जय सिंह आदि लोग सम्मिलित हुए।

अतिथियों का स्वागत प्रधानाचार्य मोहम्मद रफीक ने पुष्पगुच्छ देकर किया, स्वागत गीत बालिका नव्या,अर्पिता ने गया।

मंच संचालन लल्लन सिंह, कैरियर गाइडेंस का संचालन संजय सिंह ने किया।

विशिष्ट अतिथि यातायात निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय ने बच्चों को सिविल सेवा व यातायात नियमों के प्रति जानकारी दी,सड़क सुरक्षा के स्वर्णिम सिद्धांत ,सड़कों के प्रकार के बारे में बताया।

मुख्य अतिथि महोदय ने विद्या ददाती विनयमध् केमाध्यम से शिक्षा ग्रहण किया जा सकता है, छात्र जीवन में विनम्रता जरूरी है आप देश के भविष्य है। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

प्राइवेट स्कूलों पर योगी सरकार की नजर, जांचेगी टीचरों की योग्यता

लखनऊ। योगी सरकार प्राइवेट स्कूलों को लेकर एक्शन में है। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ा रहे शिक्षकों की शैक्षिक अर्हता की जांच कराई जाएगी। मानक के विपरीत बिना अर्हता के शिक्षकों से पढ़ाई कराने पर राष्ट्रीयअध्यापक शिक्षा परिषद एनसीटीई ने सख्त नाराजगी जताई है।शिक्षा विभाग इन स्कूलों के शिक्षकों की जांच कर रिपोर्ट देगा।एनसीटीई को इस मामले में झांसी के रहने वाले राहुल जैन की ओर से साक्ष्यों के साथ शिकायत की गई है, जिसमें कई निजी स्कूलों में शिक्षक बिना डीएलएड, बीएड, सीटीईटी व टीईटी पास किए बिना निजी स्कूलों में पढ़ाई करा रहे हैं। एनसीटीई के अनिवार्य मानकों का पालन न किए जाने से तमाम निजी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। अब सभी 75 जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक निजी स्कूलों के शिक्षकों की शैक्षिक अर्हता का ब्योरा खंगालेंगे। मानकों के विपरीत जहां शिक्षक मिलेंगे, उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। हर हाल में विद्यार्थी को गुणवत्तापरक शिक्षा मिले इसके लिए यह कदम उठाया जा रहा है।

यातायात मे सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी व कर्मचारीगण को जिलाधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित

जौनपुर ।जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक द्वारा डॉ0 दिनेश चंद्र और अपर "यातायात माह नवम्बर 2025" जागरुकता माह का समापन, विद्यालयों के बच्चों, व यातायात माह में सराहनीय कार्य करनें वाले अधि0 कर्मचारीगण को पुरस्कार वितरण किया गया।

यातायात माह का समापन समारोह पुलिस लाइन जौनपुर सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन जिलाधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक शहरी आयुश श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी यातायात सुशील कुमार तिवारी, प्रभारी यातायात सुशील कुमार मिश्र, के द्वारा किया गया। तत्पश्चात पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के अवसर पर यातायात माह में प्रचार–प्रसार में सराहनीय कार्य व योगदान करने वाले स्कूलों के प्राधानाचार्य व उन स्कूलों के छात्र–छात्राओं, को मुख्य अतिथि महोदय द्वारा सम्मानित करते हुए उत्साहवर्धन किया गया । जिसमें श्रीमती गुलाबी देवी इण्टर कालेज, कन्हइपुर जौनपुर , हरिहर सिंह इण्टरनेशनल स्कूल, उमरपुर जौनपुर , नेहरु बालोध्यान, कन्हईपुर जौनपुर , जनक कुमारी इण्टर कालेज, हुसैनाबाद जौनपुर , मो0 हसन इ0कालेज जौनपुर , माउण्ट लिट्रा जी स्कूल रामदयालगंज, जौनपुर , तिलकधारी सिंह इ0कालेज जौनपुर , बी0आर0पी0 इण्टर कालेज जौनपुर ,रजा डी एम सिया इण्टर कालेज,जौनपुर, जनक कुमारी इण्टर कालेज, हुसैनाबाद जौनपुर, सनराइज इण्टरनेशनल स्कूल राजापुर मड़ियाहू जौनपुर, बयालसी इण्टर कालेज जलालपुर, जौनपुर विद्यालयध्शिक्षण संसथान के प्रधानाचार्य व 350 बच्चें शामिल थे। साथ ही साथ यातायात माह 2025 के दौरान सराहनीय योगदान के लिये यातायात व थाने से अधि0 कर्मचारीगण को तथा प्रिन्ट मिडिया व इलेक्ट्रानिक मिडिया के पत्रकार बंधुओं को भी पुरस्कृत किया गया। साथ ही हेलमेट भी वितरित किया गया ।यातायात माह 2025 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु पुरे माह जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद जौनपुर के थानों एवं यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का प्रचार प्रसार करते हुए आम जनता को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए पंपलेट, हैंडबिल व स्टिकर वितरित किए गए एवं सार्वजनिक स्थानों पर होर्डिंग तथा बैनर लगवाए गए, शीत ऋतु में कोहरे में दृश्यता के अभाव होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के निर्मूलन हेतु मालवाहक वाहनों, ट्रैक्टर ट्रालियों में निशुल्क रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाए गए तथा राजमार्गों पर सड़क के किनारे वाहन खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने वाले वाहनों को राजमार्ग के किनारो से हटवाया गया, न मानने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत प्रवर्तन की कार्यवाही भी की गई, इसके अतिरिक्त जौनपुर शहर में बाजार तथा सार्वजनिक मार्गों स्कूलों एवं सड़कों के किनारे वाहन खड़ा करके जाम का कारण बनने वाले वाहनों को हटवाया गया, चेतावनी दी गई साथ ही उनके विरुद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही भी की गई, तथा यातायात नियमों का अनुपालन न करने वालों के विरुद्ध निम्नलिखित प्रवर्तन की कार्यवाही किया गया ।

नीतीश कुमार ने फिर खोला पिटारा

बिहार में एनडीए गठबंधन की सरकार फिर बन गयी लेकिन इस बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथ कुछ ज्यादा ही खुले हुए हैं। पिछली सरकार में उनकी पार्टी के सिर्फ 43 विधानयक हुआ करते थे जबकि इस बार 85 विधायक हैं। इस बम्पर जीत के पीछे नीतीश कुमार की पार्टी को महिलाओं का व्यापक समर्थन माना जा रहा है। बिहार के विधानसभा चुनाव में महिलाओं ने इस बार बढ़–चढ़कर मतदान किया। नीतीश कुमार ने महिलाओं को चुनाव से पहले ही नकद राशि प्रदान कर दी थी और अब 27 नवम्बर को फिर सभी पात्र महिलाओं के खाते में 10–10 हजार रूपये भेज दिये गये। इससे पहले 25 नवम्बर को नीतीश सरकार की कैबिनेट बैठक में उद्योग क्षेत्र में रोजगार सृजन पर जोर देकर चुनाव के दौरान किये गये वादों को शीघ्र पूरा करने का संकेत भी दिया गया है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत 10 लाख लाभार्थी महिलाओं के खातों में 10–10 हजार रुपये के हिसाब से कुल 1,000 करोड़ रुपये भेजे। इससे पहले 1.46 करोड़ लाभार्थी महिलाओं के खातों में 14,600 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की जा चुकी है। इसके साथ ही योजना के तहत अब तक कुल 1.56 करोड़ महिलाओं को 15,600 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1, अणे मार्ग पर स्थित अपने आवास से वीडियो कांफ्रेंस से जुड़ीं सभी महिला लाभार्थियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि इस बार बिहार के लोगों ने विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को भारी बहुमत देकर राज्य की सेवा का एक और अवसर दिया है। उन्होंने महिलाओं समेत सभी प्रदेशवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'महिला रोजगार योजना' के तहत 10 लाख महिलाओं को उनकी पसंद के रोजगार के लिए 10–10 हजार रुपये की राशि भेजी गई है। इससे पहले 1.46 करोड़ महिलाओं को यह सहायता दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस योजना की सहायता से बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपना रोजगार शुरू किया है। नीतीश कुमार ने कहा कि जो लाभार्थी अपना काम अच्छी तरह करेंगी, उन्हें भविष्य में दो लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आगामी महीने तक शेष सभी परिवारों की महिलाओं को भी सहायता राशि उपलब्ध करा दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने शुरू से ही महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे विश्वास है कि 10,000 रुपये की यह सहायता राशि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगी। इससे न केवल परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी, बल्कि राज्य के विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जीविका दीदियों का आत्मविश्वास देखकर उन्हें प्रसन्नता होती है। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार केंद्र के सहयोग से सभी वर्गों के विकास के लिए निरंतर काम कर रही है।

इससे दो दिन पहले ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली नई सरकार की कैबिनेट की पहली बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में उद्योग के क्षेत्र में और रोजगार सृजन पर जोर दिया गया है। बिहार को न्यू टेक हब बनाने, बिहार को न्यू एज इकोनॉमी के रूप में विकसित करने, युवाओं को रोजगार मुहैया कराने समेत कई अन्य क्षेत्रों में कार्य करने का फैसला किया गया है। सीएम नीतीश कुमार ने भी इस बैठक के बाद कई अहम जानकारी दी थी। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया एक्स पर किए गए एक पोस्ट में बताया– राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, ये शुरू से ही हमलोगों की प्राथमिकता रही है। सात निश्चय–2 के तहत वर्ष 2020–25 के बीच राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार दिया गया है। अगले 5 वर्षों (2025–30) में हमलोगों ने 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सीएम नीतीश ने कहा– नई सरकार के गठन के पश्चात् राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने एवं अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए हमलोगों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। बदलते बिहार के विकास की गति को बल देने हेतु बिहार में प्रौद्योगिकी और सेवा आधारित नवाचारों की न्यू ऐज इकोनॉमी के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु इस क्षेत्र की बिहार से संबंध रखनेवाले अग्रणी उद्यमियों के सुझाव प्राप्त कर योजनाओं एवं नीतियों का निर्धारण किया जाएगा। साथ ही बिहार को एक 'वैश्विक–बैक इन हब एवं 'ग्लोबल वर्क प्लेस' के रूप में विकसित एवं स्थापित करने हेतु महत्वपूर्ण विभागों तथा प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों एवं विशेषज्ञों के सहयोग से एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

सीएम नीतीश ने कहा– बिहार की जनसंख्या में युवाओं की भागीदारी काफी अधिक है। इसको सार्थक दिशा देने पर बिहार देश का सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बन सकता है। बिहार के बड़ी संख्या में उपलब्ध युवा मानव संसाधन को ध्यान में रखते हुए बिहार को पूर्वी भारत के नए टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए बिहार में डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स, मेगा टेक सिटी व फिनटेक सिटी की स्थापना की जाएगी एवं उद्योगों का जाल बिछाने हेतु वृहद कार्ययोजना तैयार कर योजनाओं को क्रियान्वित किया जाएगा।

सीएम नीतीश ने कहा– राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना एवं पुरानी बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनः चालू करने हेतु नीति एवं कार्ययोजना बनाई गई है। इसके साथ ही राज्य के सभी प्रमुख शहरों को बेहतर एवं सुंदर बनाने की योजना पर कार्य करने हेतु तैयारी एवं नई तकनीकों का उपयोग कर राज्य को अग्रणी बनाने हेतु बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन की स्थापना की जाएगी। सभी बिन्दुओं पर कार्ययोजना तैयार करने हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी गई है। यह समिति राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने एवं युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन तथा अनुश्रवण का कार्य करेगी। आप सभी को पता है कि पिछले कुछ वर्षों में बिहार में औद्योगीकरण ने रफ्तार पकड़ी है। बिहार की नवनिर्वाचित नई सरकार दुगुनी ताकत से राज्य में बड़े पैमाने पर उद्योग लगाने हेतु कृतसंकल्पित है। इसके लिए औद्योगिक कॉरिडोर, उच्च गुणवत्ता की आधारभूत संरचना, हाई क्वालिटी पावर सप्लाई, जल प्रबंधन एवं कुशल मानव संसाधन आवश्यक है, जो अब बिहार में उपलब्ध हैं। राज्य में औद्योगिक विकास एवं अगले 5 वर्षों में युवाओं को नौकरी एवं रोजगार के लिए हमलोगों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है और जो काम हमलोग शुरू करते हैं, उसे पूरा करते हैं। (हिफी)

सम्पादकीय

शीतकालीन सत्र में बढ़ेगा सियासी तापमान

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरु हो रहा है, जो 19 दिसंबर तक चलेगा। सत्र शुरु होने से पहले रविवार को परंपरानुसार सर्वदलीय बैठक हुई, जिसके बाद सरकार की तरफ से दावा किया गया कि सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए विपक्ष के साथ तालमेल बिठाया जाएगा। वहीं विपक्ष से उम्मीद जताई गई कि वह अपने सवालों को अध्यक्ष के जरिए सदन में उठाए और लोकतांत्रिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए संसद की मर्यादा बनाए रखे। सत्र को अकारण बाधित न करे। जिन लोकतांत्रिक मूल्यों और मर्यादा की उम्मीद सरकार विपक्ष से कर रही है, असल में वही अब भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनने वाले हैं। क्योंकि विपक्ष ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि लोकतंत्र में मतदान के अधिकार को बचाने के लिए एसआईआर के खिलाफ बड़ी लड़ाई छेड़ी जाएगी और संसद में इस मुद्दे को पूरे दमखम के साथ उठाया जाएगा।वहीं लालकिले के पास आतंकी हमला, दिल्ली का प्रदूषण, प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में तैयारी की कमी, आर्थिक सुरक्षा और कमजोर पड़ती विदेश नीति जैसे अहम मुद्दों पर भी विपक्ष सरकार से जवाब मांगेगा। लोकसभा में उपनेता प्रतिपक्ष गौरव गोगोई ने इस तरफ भी ध्यान दिलाया कि यह शायद अब तक का सबसे छोटा शीतकालीन सत्र होगा, जिसमें केवल 15 कामकाजी दिन ही होंगे। श्री गोगोई ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार खुद संसद को डिरेल करना चाहती है। वहीं राजद सांसद मनोज झा ने एक गंभीर बात कही है कि सरकार की तरफ ज्यादातर राजनीतिक चर्चाएं आभासी होती हैं, जबकि जनता के बुनियादी मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि सरकार चुनावों से आगे भी सोचेगी। भारत की जीडीपी वृद्धि से लेकर एसआईआर विषय तक, इन पर व्यापक चर्चा होनी चाहिएय वरना संसद सिर्फ एक संग्रहालय जैसी संरचना बनकर रह जाएगी।दरअसल पिछले सत्रों को देखें तो मनोज झा की बात ही सच भी दिखती है कि सरकार की दिलचस्पी संसद चलाने से अधिक समय बिताने की है। अगर सत्र चलेंगे तो विपक्षी सांसद सवाल पूछेंगे, जिनके जवाब ऑन रिकॉर्ड देना सरकार की मजबूरी हो जाएगी। इसलिए सत्र सरकार की तरफ से ही कई बार बाधित किया जाता है। पिछले मानसून सत्र में यही हुआ। एसआईआर पर सरकार ने चर्चा नहीं होने दी और विपक्ष इसकी मांग करता रह गया। नतीजा यह हुआ कि 120 घंटों की जगह केवल 35 घंटे काम हुआ। इस बार भी ऐसा ही होने की आशंका बलवती है। क्योंकि बिहार चुनाव में धांधली के आरोप अब भी बरकरार हैं और इसके बाद प.बंगाल, उत्तरप्रदेश समेत 12 राज्यों में जो एसआईआर चल रही है, उसमें बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की मौतें गंभीर मुद्दा बन चुका है। तृणमूल कांग्रेस की शुक्रवार को ही चुनाव आयोग के साथ दो घंटे बैठक हुई, जिसमें टीएमसी सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के मुंह पर ही कह दिया कि चुनाव आयोग के हाथों में खून लगा है। हालांकि आश्चर्य की बात ये है कि ज्ञानेश गुप्ता ने इस बात से अनभिज्ञता जाहिर की कि कई बीएलओ एसआईआर के दबाव में अकाल मौत का शिकार हो चुके हैं।बिहार के बाद चुनाव आयोग एसआईआर को अन्य राज्यों में शुरु कर चुका है। भाजपा भी यह मान रही है कि वह बिहार के बाद प.बंगाल को फतह कर लेगी और बाकी राज्यों में भी उसी की जीत होगी। संसद सत्र की तारीखों का काफी पहले ऐलान इसी अति आत्मविश्वास को दिखाता है। आम तौर पर संसद सत्र की तारीखों की जानकारी हफ्ते–दस दिन पहले दी जाती है, लेकिन इस बार 8 नवंबर को ही संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू ने बता दिया था कि संसद का शीतकालीन सत्र कब से कब तक चलेगा। वह समय बिहार चुनावों का था। जिसमें जमीनी रिपोर्ट्स बता रहीं थी कि एनडीए के लिए हालात अच्छे नहीं हैं। एसआईआर में लाखों वोटों का कटना, कानून व्यवस्था का मामला, बेरोजगारी, महंगाई इन सबके साथ 20 बरसों की नीतीश सरकार के लिए एंटी इन्कमबेंसी जैसे कारक एनडीए का नुकसान दिखा रहे थे। वहीं महागठबंधन में लोग नयी उम्मीद देख रहे थे। तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री के लिए जनता की पहली पसंद लगातार बने रहे और राहुल गांधी की लोकप्रियता बिहार में नरेन्द्र मोदी से ज्यादा थी, यह कई सर्वे में जाहिर हुआ। लेकिन भाजपा के नेता पूरी तरह आश्वस्त थे कि कुछ भी हो, सरकार उन्हीं की बनेगी। बल्कि अमित शाह ने तो सौ से ऊपर सीटें लाने का दावा किया था।

हुमायूं कबीर, अरशद मदनी और महमूद मदनी के बयान आखिर कैसे भारत का माहौल खराब कर रहे हैं? समझिए विस्तार से

कमलेश पांडे ।

लिहाजा, ऐसे बयानों पर हमारे सही राजनेताओं का खामोश रहना, प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा त्वरित एक्शन नहीं लेना, और सक्षम न्यायिक अधिकारियों द्वारा ऐसे मसलों पर स्वतः संज्ञान नहीं लेना इस आशंका को बल देता है कि इन नए नए जिन्ना को नया नया पाकिस्तान आज नहीं तो कल देना ही होगा।

भारत एक लोकतांत्रिक देश है। धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। सहिष्णु मुल्क है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पक्षधर देश है, लेकिन इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि राजनेताओं की दंगाई प्रवृत्ति को शह दिया जाए। गुलाम भारत में, आजाद भारत में जो राजनीतिक नौटंकी दिखाई दे रही है, इस जनद्रोही प्रवृत्ति पर अविलंब अंकुश लगना चाहिए।कहना न होगा कि जिस तरह से श्मुस्लिम नेता व धर्मगुरुश यथा– हुमायूं कबीर, अरशद मदनी और महमूद मदनी के सार्वजनिक बयान भारत का माहौल खराब कर रहे हैं, वह बेहद चिंता की बात है। ऐसा इसलिए कि पाकिस्तान के जनक मोहम्मद अली जिन्ना की तरह ही ये लोग विवादित और उत्तेजक बयान दे रहे हैं जो सामाजिक और राजनीतिक तनाव बढ़ाने वाले हैं। लिहाजा, ऐसे बयानों पर हमारे सही राजनेताओं का खामोश रहना, प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा त्वरित एक्शन नहीं लेना, और सक्षम न्यायिक अधिकारियों द्वारा ऐसे मसलों पर स्वतः संज्ञान नहीं लेना इस आशंका को बल देता है कि इन नए नए जिन्ना को नया नया पाकिस्तान आज नहीं तो कल देना ही होगा। भविष्य में ऐसा नहीं हो, इसके माकूल प्रबंधन किये जाने चाहिए। साथ ही, अफगानिस्तान से म्यामांर तक शांतिपूर्ण स्थिति हर हाल में बनाए रखने की कूटनीति व सियासत को तवज्जो देनी चाहिए और इस दिशा से भटकते नेताओं की नकेल कसना प्रशासनिक व न्यायिक अधिकारियों की प्रथम दृष्टि होनी चाहिए। साथ सैन्य अधिकारियों को आसेतु हिमालय में उधम मचाने वाले लोगों को सैंतने की खुली छूट मिलनी चाहिए। इस मामले में अमेरिकी या चीनी हस्तक्षेप बिल्कुल अस्वीकार्य होना चाहिए।

अब पहले हुमायूं कबीर के बयान पर गौर फरमाते हैं। इन्होंने बंगाल में बाबरी मस्जिद निर्माण को लेकर धमकी भरे बयान दिये हैं, जिसमें उन्होंने कहा कि मस्जिद बनानी होगी और इसके लिए अगर जरूरत पड़ी तो शहीद भी होंगे। उनके ऐसे उकसावे वाले बयान से सामाजिक तनाव और सांप्रदायिक दंगल की आशंका बढ़ रही है, जिससे माहौल बिगड़ रहा है। उनकी बयानबाजी को राजनीतिक स्वार्थ साधने वाली और समाज में फूट डालने वाली माना जा रहा है। ऐसे में भारत के बहुसंख्यक लोगों की इच्छा है कि कबीर जैसे लोगों को यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि किसी भी विदेशी आक्रांता के नाम पर भारत में अब कोई नया निर्माण नहीं होगा और पुराने निर्माणों को भी चरणबद्ध ढंग से हटाया जाएगा या फिर नामान्तरित किया जाएगा।

अब मौलाना अरशद मदनी के बयान पर नजर डालते हैं, क्योंकि उन्होंने भारत–पाक रिश्तों और कश्मीर मामले पर सावधानी से विवादित बयान दिये हैं। उन्होंने भारत के अंदर मुसलमानों के खिलाफ नफरत की पॉलिसी की आलोचना की और पाकिस्तानी आर्थिक स्थिति पर चिंता जताई, जो कई लोगों को विरोधाभासी और देशविरोधी लगा। इसके अलावा, उन्होंने भारत में मुसलमानों के प्रति भेदभाव और निशाने पर लिए जाने की बात कही, जिससे विवादित माहौल बन गया है। ऐसे में भारत के बहुसंख्यक लोगों की इच्छा है कि अब अरशद मदनी जैसे लोगों को यह समझा देना चाहिए कि पाकिस्तान व पूर्वी पाकिस्तान यानी बंगलादेश बतौर हिस्सा दिया जा चुका है। यह हिंदुओं का हिंदुस्तान है जहां पाकिस्तान व बंगलादेश से हमदर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।अब महमूद मदनी के बयान की चर्चा करते हैं। उन्होंने वंदे मातरम, जिहाद, और सुप्रीम कोर्ट पर कट्टरपंथी और विवादित टिप्पणियां की हैं। उन्होंने जिहाद को न्यायसंगत लड़ाई बताई और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को लेकर सवाल उठाए। उनके इन बयानों पर राष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हुई है, जिसमें कहा गया है कि ऐसे बयान देश के विरोधी हैं और माहौल खराब कर रहे हैं। विहिप समेत कई संगठनों ने उनके बयानों की निंदा की है। ऐसे में भारत के बहुसंख्यक लोगों की इच्छा है कि महमूद मदनी जैसे लोगों को भी यह समझा देना चाहिए कि मौजूदा प्रशासन ब्रिटिश प्रशासन नहीं है और भारत का प्रशासन शांतिप्रियता को बढ़ावा देता है। लिहाजा किसी भी तरह की आक्रामक प्रवृत्ति को कुचल दिया जाएगा। यहां सर्वाधिक गौर करने वाली बात यह है कि यदि भारत का प्रशासन इन अराजक तत्वों शीघ्र नहीं निबटेगा तो ऐसे उग्र लोग देर सबेर भारत के नरम प्रशासन का खात्मा करके ही रहेंगे। ये भारत की स्थिति भी पाकिस्तान–बंगलादेश की तरह कर देंगे। आज जैसे अरब अशांत है, उसी तरह से कल हिंदुस्तान को भी अशांत बना देंगे। इसलिए इनकी शिक्षा व खान–पान को हिंसक बनने से रोकना

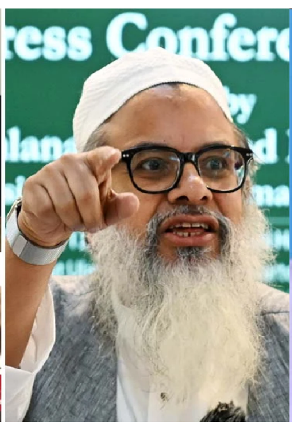

बदलते वक्त की पहली जरूरत है।सच कहूं तो ये बयान धार्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संवेदनाओं को भड़काने वाले हैं और भारत के सामाजिक समरसता को हिला सकते हैं। यह माहौल खराब करना समझा जा रहा है क्योंकि ऐसे बयान उकसावे और विवाद पैदा करते हैं। राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता के लिए ऐसे बयान अप्रामाणिक और खतरनाक माने जा रहे हैं। इसलिए समय रहते ही नए नए जिन्नों की प्रवृत्ति को कुंद करना होगा। इसके लिए हमारी विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को कठोर कदम उठाने होंगे। साथ ही धर्मनिरपेक्षता सुनिश्चित करने के लिए यूनिफिकेशन ऑफ इंडिया को बढ़ावा देकर समाजिक समरसता को बढ़ावा दिया जाए। और इस राह में बाधक लोगों को अरब मुल्कों की तरफ भेज दिया जाए।

ऐसा इसलिए कि उनके इन बयानों का सामाजिक तनाव पर काफी नकारात्मक असर हुआ है। महमूद मदनी ने मुसलमानों के खिलाफ कथित अत्याचारों का जिक्र करते हुए कहा कि जब जुल्म होगा, तब जिहाद होगा, जो एक उग्र और संवेदनशील माहौल बनाने वाला बयान है। ऐसा बयान समाज में धार्मिक पक्षपात और अलगाव को और बढ़ाता है, जिससे तनाव की विभीषिका और बढ़ जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि मुस्लिम समुदाय को सामाजिक, कानूनी और आर्थिक रूप से कमजोर किया जा रहा है, जिससे अल्पसंख्यक समुदाय में असुरक्षा और बेचैनी बढ़ रही है।आपको याद होगा कि पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी जैसे वरिष्ठ नेताओं ने भी भारत में धार्मिक विभाजन और असुरक्षा के बढ़ते माहौल की चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि ऐसे विभाजन और भेदभाव असहिष्णुता को उत्पन्न करते हैं जो सामाजिक अशांति और असुरक्षा को बढ़ावा देते हैं। वास्तव में, भारत में धार्मिक नेताओं के विवादित बयानों ने जाति और धर्म के आधार पर साम्प्रदायिक तनाव और सामाजिक विभाजन को मजबूत किया है। ये बयानों सामाजिक सहिष्णुता और भाईचारे को हिला कर धार्मिक कट्टरता, नफरत और हिंसक घटनाओं को बढ़ावा देते हैं। इससे समाज में भय, अविश्वास और अलगाव की भावना फैलती है, जो सार्वजनिक शांति के लिए खतरा बन जाती है।

तल्ख अनुभव बताता है कि इस तरह के बयान साम्प्रदायिक विवादों को हवा देते हैं, जिससे समुदायों के बीच झड़पें, भड़काऊ पोस्टर, प्रदर्शन और दंगों की घटनाएं बढ़ जाती हैं। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में हाल के वर्षों में कई सांप्रदायिक तनाव और हिंसात्मक घटनाएं इसी माहौल से उपजी हैं। यह माहौल भ्रष्ट राजनीतिक फायदा उठाने वाले गुटों के लिए भी उपयुक्त होता है, जिससे सामाजिक स्थिरता में कमी आती है।देखा जाए तो हुमायूं कबीर, अरशद मदनी और महमूद मदनी के विवादित बयानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई न होने के कई कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण यह है कि भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को संविधान द्वारा सुरक्षा प्राप्त है, जिससे बयानों को कानूनी रूप से प्रतिबंधित करना जटिल हो जाता है जब तक कि वे स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में न आएं। भारतीय दंड संहिता की धारा 295 (ए) और 153–ए के तहत ऐसे कार्य जो धार्मिक भावनाओं को आहत करते हैं या धार्मिक वर्गों के बीच शत्रुता बढ़ाते हैं अवैध हैं लेकिन इन धाराओं को लागू करने में न्यायिक विवेक और साक्ष्यों की मजबूती आवश्यक होती है।आम तौर पर विवादित बयान अक्सर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आ जाते हैं, जिनके खिलाफ कार्रवाई के लिए यह साबित करना जरूरी होता है कि वे सीधे सार्वजनिक शांति को भंग करते हैं या हिंसा के लिए उकसाते हैं। इसके अलावा, न्यायालयों में यह भी देखा जाता है कि धार्मिक नेताओं के बयानों को धार्मिक दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए और उनकी धार्मिक स्वतंत्रता का भी सम्मान होना चाहिए, जिससे कार्रवाई को सीमित या सतर्कता से किया जाता है।यही वजह है कि धार्मिक नेताओं के बयान राजनीतिक और सामाजिक संवेदनशीलता के कारण कानूनी क्रिया–कलापों का सामना कम करते हैं और बातचीत या राजनीतिक माध्यमों से हल निकालने की कोशिश की जाती है। वहीं, कुछ मामलों में राजनीतिक और सामाजिक कारणों से भी सरकार या प्रशासन कानूनी कार्रवाई में हिचकिचाते हैं क्योंकि ऐसी कार्रवाई सामाजिक विद्रूपता या बड़े सांप्रदायिक तनाव को जन्म दे सकती है। इसलिए विवादित बयानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में देरी या अड़चनें आती हैं।बावजूद इसके, हुमायूं कबीर, अरशद मदनी और महमूद मदनी के विवादित बयानों पर राजनीतिक दलों की तीखी प्रतिक्रियाएँ आई हैं। हुमायूं कबीर के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले बयान के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति गरमा गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के इस विधायक के बयान पर विपक्षी दलों ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस ने इसे सामाजिक और धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाला बताया है और कहा कि यह पुराने विवादों को फिर से उभारने की कोशिश है। वहीं, बीजेपी समेत कई दलों ने इसे चुनावी और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की साजिश माना है। बीजेपी की उमा भारती ने कहा कि बाबर के नाम से बनी इमारत का वही हाल होगा जो अयोध्या में हुआ था, और इसे पूरी तरह अस्वीकार किया।उधर, अरशद मदनी और महमूद मदनी के बयानों पर भी राजनीतिक दलों ने मिश्रित प्रतिक्रियाएं दी हैं। कुछ मुस्लिम संगठनों ने इनके बयानों को धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक अधिकारों के हिस्से के रूप में देखा है, जबकि राष्ट्रीय और दक्षिणपंथी दलों ने इसे देशविरोधी और माहौल बिगाड़ने वाला बताया है। उनके बयानों को लेकर राजनीतिक विरोध और संवाद दोनों चल रहे हैं। कुछ वरिष्ठ नेताओं ने सामाजिक एकता बनाए रखने की अपील भी की है।समग्र रूप से, इन बयानों पर राजनीतिक दलों का रुख इस बात पर निर्भर करता है कि वे किस समुदाय या क्षेत्र में समर्थक हैं। विरोधी दल विवादित बयानों को सामाजिक विखण्डन और हिंसा भड़काने वाला बताते हुए कड़ी आलोचना कर रहे हैं, जबकि संबंधित राजनीतिक दल कभी–कभी इन बयानों को धार्मिक या राजनीतिक अधिकार का हिस्सा मानने की कोशिश करते हैं। परिणामी तौर पर ये बयान और प्रतिक्रियाएँ भारत के राजनीतिक और सामाजिक माहौल में अस्थिरता बढ़ाने वाले कारक बनें हैं। इस प्रकार, इन विवादित बयानों ने राजनीतिक बहस को तीखा बना दिया है और सामाजिक तनाव को भड़काने में भूमिका निभाई है।यदि देखा जाए तो इन विवादित बयानों और राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाओं का चुनावी असर तीव्र हो सकता है और यह विभिन्न तरह से देखने को मिल सकता है। पहले, ऐसे बयानों से सामाजिक और धार्मिक भावनाएँ भड़कती हैं, जो वोटरों को अपने समुदाय के प्रति और पारंपरिक आधारों पर मजबूती से खड़ा कर सकते हैं। इससे धार्मिक और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण बढ़ता है, जो चुनावी माहौल को तीखा करता है। इनमें से कुछ वोटर धार्मिक पहचान को लेकर संगठित होकर किसी खास दल या उम्मीदवार के प्रति समर्थन जता सकते हैं।दूसरे, विपक्षी दल इन विवादित बयानों को अपने चुनावी रणनीति में इस्तेमाल कर सकते हैं, उम्मीदवारों या पार्टियों को कट्टरपंथी या माहौल खराब करने वाला बताकर चुनावी लाभ उठाने की कोशिश कर सकते हैं। इससे चुनाव प्रचार और बहसें ज्यादा संघर्षपूर्ण और विभाजनकारी बन सकती हैं, जो चुनावी परिणामों को प्रभावित करती हैं।तीसरे, इन बयानों पर हुई कड़ी मीडिया कवरेज और सार्वजनिक बहसें मतदाताओं की जागरूकता बढ़ाती हैं लेकिन यह भी संभावित है कि इससे कुछ इलाके या समुदायों में विरोध या अल्पमत पैदा हो सकती है, जो संपूर्ण वोट प्रतिशत को प्रभावित करती है। यह राजनीतिक स्थिरता और सामाजिक समरसता के लिए जोखिम भी उत्पन्न करता है।अंत में, ऐसे विवाद चुनावी दलों के आपसी गठजोड़ और वोट बैंक राजनीति पर भी असर डालते हैं, क्योंकि पार्टियां अपने वोटर बेस को ध्रुवीकृत करने और मजबूती देने की रणनीतियों को जोर–शोर से लागू करती हैं। यह लंबे समय में सामाजिक सामंजस्य के लिए चुनौती बन सकता है। कुल मिलाकर, विवादित बयानों पर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का चुनावी असर मतदाताओं की राजनीतिक सक्रियता बढ़ाने, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण तेज करने और चुनावी परिणामों में अप्रत्याशित उलटफेर करने वाला हो सकता है। यह स्थिति खासकर संवेदनशील लोकसभा या विधानसभा चुनावों में वोटिंग व्यवहार को बदल सकती है और राजनीतिक परिदृश्य में नई असमर्थन और समर्थन की गहराई जोड़ सकती है। इसलिए, इन बयानों और प्रतिक्रियाओं को चुनावी ताकत के रूप में नजरअंदाज नहीं किया

देश में तर्क से ज्यादा मजबूत है अंधविश्वास

देवी एम. चेरियन

ऐसे देश में जहां लोग शनिवार को अपने नाखून नहीं काटते या तीन ज्योतिषियों और पड़ोस की आंटी से पूछे बिना प्रॉपर्टी नहीं खरीदते, यह मानना बिल्कुल नादानी होगी कि भारतीय नेता, क्रिकेटर और फिल्म स्टार सिर्फ लॉजिक से चलते हैं। पावर पॉलिसी से, टैलेंट ट्रेनिंग से और फेम कड़ी मेहनत से मिल सकती है लेकिन पर्दे के पीछे कहीं,अभी भी एक छोटा नारियल तोड़ा जा रहा है, दरवाजे पर एक नींबू रखा जा रहा है और बस किसी भी स्थिति के लिए प्रार्थना फुसफुसाई जा रही है। चलिए राजनीति से शुरू करते हैं। गंभीर चेहरों, लंबे भाषणों और अजीब समय पर लिए गए फैसलों की दुनिया देखिए। यह कोई सीक्रेट नहीं है कि नरेंद्र मोदी, एक मजबूत और निर्णय लेने वाले नेता के तौर पर देखे जाने के बावजूद, आध्यात्मिक प्रक्रिया में गहराई से जुड़े हुए हैं। बड़े राजनीतिक मौकों से पहले केदारनाथ, काशी विश्वनाथ और दूसरी पवित्र जगहों पर उनके दौरे दूर–दूर तक जाने जाते हैं। जहां समर्थक आस्था देखते हैं, वहीं आलोचक रणनीति देखते हैं लेकिन किसी भी तरह से, देश ने देखा है कि उनके करियर के अहम दौर अक्सर भगवान को चुपचाप प्रणाम करने से शुरू होते हैं। इसी तरह, भारत में लंबे समय से सुना जा रहा है कि अलग–अलग पार्टियों के नेता चुनाव से पहले चुपचाप ज्योतिषियों से सलाह लेते हैं। इंदिरा गांधी जैसी पुरानी नेता खुले तौर पर आध्यात्मिक सलाह लेती थीं और यह सब जानते हैं कि ज्योतिषियों ने कभी कांग्रेस की राजनीतिक प्लानिंग में भूमिका निभाई थी। कहा जाता है कि दिल्ली में ऑफिस को वास्तु शास्त्र के हिसाब से एक से ज्यादा बार रीडिजाइन किया गया है। दीवारें बदली गई हैं, शीशे लगाए गए हैं, फव्वारे लगाए गए हैं। यह सब यह पक्का करने के लिए किया गया है कि राजनीतिक एनर्जी उत्तर–पूर्व की ओर बहे और मुसीबत में न पड़े। नेता हर इंटरव्यू में इससे इंकार करेंगे लेकिन फिर भी पार्लियामैंट कॉम्प्लैक्स में धीरे–धीरे और सावधानी से कदम रखते हुए जाएंगे जैसे कि फर्श खुद ही बुरी किस्मत के प्रति सैंसिटिव हो। अगर राजनीति ड्रामा है तो क्रिकेट भाव है। और अगर कोई ऐसा मैदान है जहां अंधविश्वास सच में स्टेडियम की लाइट से ज्यादा चमकता है तो वह क्रिकेट पिच है। सचिन तेंदुलकर अपना बायां पैड पहले पहनने के लिए मशहूर थे। भगवान या इत्तेफाक, किसी ने भी ऑर्डर बदलने की हिम्मत नहीं की। धोनी जो बाहर से बर्फ की तरह ठंडे हैं, मिलिट्री डिसिप्लिन के साथ रूटीन पर टिके रहने के लिए भी जाने जाते हैं। एक समय में उनके लंबे बाल सिर्फ एक स्टाइल नहीं थे। फैंस का मानना था कि यह टीम इंडिया के लिए किसी लक्की चार्म से कम नहीं है। फिर विराट कोहली हैं, जिन्हें बड़े टूर्नामैंट से पहले मंदिरों में जाते, पवित्र धागे बांधते और यह पक्का करते देखा गया है कि कुछ आध्यात्मिक आदतें उनकी जिंदगी का हिस्सा बनी रहें। और कौन भूल सकता है कि कैसे पूरा देश अचानक अच्छी वाइब्स में विश्वास करने लगा जब अनुष्का शर्मा को टैंशन वाले मैचों के दौरान स्टैंड्स में मैडिटेशन करते देखा गया। अगर इंडिया जीता तो लोग मजाक में कहते थे कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि बॉलर तक 'पॉजिटिव योग एनर्जी' पहुंच गई थी। सबसे निडर बॉलर और हिटर के दिमाग में भी अनदेखी लिस्ट होती है। वही मोजे, वही ग्लब्स, वही वार्म अप प्लेलिस्ट, पिच तक जाने का वही रास्ता तय होता है। रास्ता बदलो और अचानक विकेट गिर जाता है। साइंस भले ही हंसे लेकिन क्रिकेट फैंस इस पर आपसे लड़ेंगे। और अब हम बॉलीवुड पर आते हैं। एक ऐसी दुनिया जो डायरैक्टर नहीं बल्कि स्टार चलाते हैं। स्क्रीन पर भी और आसमान में भी। अजय देवगन लंबे समय से नंबर 9 से जुड़े रहे हैं, उन्होंने अपनी कई फिल्में इसी तारीख को रिलीज की हैं क्योंकि न्यूमरोलॉजी इसे पसंद करती है। एकता कपूर ने अपने शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के टाइटल में एक्स्ट्रा अक्षर इसलिए जोड़े क्योंकि उनके न्यूमरोलॉजिस्ट ने सलाह दी थी

आटो चालक ने पत्नी को धोखा देकर रचाई दूसरी शादी

प्रयागराज। पुरा मुफ्ती थाना क्षेत्र में रहने वाले एक ऑटो चालक ने पत्नी को धोखा देकर दूसरी शादी रचा ली। पत्नी और 13 महीने के बेटे को गाजियाबाद में छोड़कर चला आया और दूसरी पत्नी के साथ रहने लगा। जानकारी पर पत्नी पहुंची तो उससे मारपीट की। कहा कि उसके चाचा प्रधान है और पुलिस कुछ नहीं कर पाएगी। फिलहाल उसकी शिकायत पर पति समेत चार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार पूरा मुफ्ती थाना क्षेत्र अकबरपुर की रहने वाली रीतू ने बताया कि 30 मार्च 2020 को उसकी शादी अकबरपुर सल्लाहपुर के ही रहने वाले दीपू पाल से हुई। शादी के बाद दोनों गाजियाबाद में रहने लगे जहां दीपू ऑटो चलाता था। 13 महीने पहले उसने एक बेटे को जन्म भी दिया।रीतू ने आरोप लगाया कि इसी साल मार्च में दीपू ने उससे कहा कि उसके गांव में एक शादी है। वह शादी में शामिल होने जा रहा है और चार दिन में लौट आएगा। इंतजार करती रही लेकिन वह वापस नहीं आया। इसके बाद वह बेटे को लेकर ससुराल पहुंची तो उसे पता चला कि दीपू ने दूसरी शादी कर ली है।रीतू ने बताया कि उसके ससुर चन्दी लाल, सास अमरावती और पति की दूसरी पत्नी कीर्ति ने उसे देखते ही भद्दी गालियां दीं और मारपीट कर घर में घुसने नहीं दिया। मारपीट के दौरान उसे चोटें आईं। इसी दौरान कीर्ति ने उसकी गले की जंजीर और पर्स छीन लिया जिसमें तीन हजार रुपये थे। परिवार के लोगों ने उसे धमकाया कि यहां से चली जाओ वरना पेट्रोल डालकर जला देंगे।

रीतू का कहना है कि जब उसने विरोध किया तो दीपू पाल और कीर्ति ने गला दबाकर जान से मारने का प्रयास भी किया। किसी तरह वह वहां से बचकर निकली। प्रार्थिनी के अनुसार दीपू यह कह रहा था कि वह कुछ नहीं कर पाएगी क्योंकि उसका चाचा राजू पाल ग्राम प्रधान है और पहले भी थाने में पुलिस पर दबाव डालकर समझौता करा चुका है। आरोप यह भी है कि फोन पर दीपू के ससुर रामपाल भी उसे मारने की धमकी दे रहे थे। पूरा मुफ्ती थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पति समेत चार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें उसका पिता, मां, दूसरी पत्नी भी शामिल है।

भाजपा नेता के भाई ने खनन विभाग के अधिकारियों पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

-कैंट थाने में दर्ज मुकदमा को बताया अपने दोनों भाई के विरुद्ध साजिश

सोहावल–अयोध्या(संवाददाता)। तहसील क्षेत्र में स्थित फतेहपुर सरैय्या बालू घाट पर खनन विभाग और पट्टेदार से जुड़े लोगों के बीच उठे विवाद को लेकर नया मोड़ सामने आया है। खनन विभाग के अधिकारियों और पुलिसिया कार्रवाई से पीड़ित भाजपा नेता सरोज जायसवाल के बड़े भाई लालजी जायसवाल ने खनन विभाग के अधिकारियों पर लगाया उत्पीड़न का आरोप लगाया है। सोमवार को सुचित्तागंज बाजार में स्थित अपने आवास पर मीडिया कर्मियों के सामने अपना पक्ष रखते हुए लालजी जायसवाल ने कहा कि मांझा क्षेत्र में स्थित फतेहपुर सरैय्या बालू खनन का पट्टा संतोष जायसवाल के नाम पर है। बीते 28 नवंबर को जब घाट पर क्षेत्रीय प्रवर्तन अधिकारी अनंत कुमार सिंह व खनन निरीक्षक चंद्रशेखर पाठक पहुंचे और बालू लदे ट्रक की तौल कराई। इस दौरान तीन लाख रुपए की मांग की गई। रूपये न मिलने पर घाट को बंद करवाने की धमकी दी गई। जिसे लेकर विवाद उठा और खनन अधिकारियों ने कर्मचारियों पर हाथ भी उठाया। अनंत कुमार सिंह द्वारा जो तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करवाया गया है। उस घटना स्थल पर हमारे भाई राकेश जायसवाल व भाजपा जिला मंत्री सरोज जायसवाल थे ही नहीं। इसका पुलिस लोकेशन चेक करवा सकती है। जबकि कैंट थाने पर दोनों पक्षों से लोग पहुंचे थे। जिसे एक पक्षीय भीड़ हमारी तरफ से बताया जा रहा है। थाने पर कोई विवाद ही नहीं हुआ। लालजी ने कहा कि अयोध्या में छोटे भाई ज्ञानचंद्र जायसवाल का चल रहे पट्टा का खनन अधिकारी राघवेंद्र सिंह ने डेढ़ करोड़ की फर्जी रूप से आरसी काट दी गई। जिसके चलते घाट छोड़ना पड़ा। जबकि फतेहपुर सरैय्या का ठेका पांच साल का है। अभी सप्ताह भर पहले चले इस पट्टे को भी खनन विभाग के अधिकारी बंद करवाने के लिए विवादों का केंद्र बना रहे है। जयसवाल परिवार से जुड़े जितेंद्र तिवारी माही ने कहा कि मांझा रामपुर हलवारा में 11 बीघे का निजी पट्टा अमरेंद्र शाही और संजय यादव के निगरानी में दो माह से चल रहा है। 20 हजार घन मीटर के पट्टे से रोज लगभग 40 डम्फर और सैकड़ों ट्रक बालू बिना रायल्टी की निकाली जा रही है। इसकी जांच नहीं हो रही है। क्योंकि ठेकदार और खनन विभाग के अधिकारियों की इसमें हिस्सेदारी है। जबकि फतेहपुर सरैय्या डेढ़ करोड़ प्रति वर्ष के हिसाब से उठा है। लगभग 60 लाख रुपए का राजस्व प्रति माह सरकार को जाता है। जितेंद्र तिवारी ने कहा कि जिले के खनन अधिकारी सरकार की नीतियों का पलीता लगा रहे है। करोड़ो रुपए का राजस्व के नुकसान करने को जुटे है। किडनी की गंभीर बीमारी से सरोज जायसवाल पीड़ित है। दोनों भाइयों के ठिकानों पर पुलिस दबिश दे रही है। जिससे परिजनों मानसिक उत्पीड़न हो रहा है। लालजी ने जिलाधिकारी और पुलिस प्रशासन से घटना की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है।

बिजली बिल राहत योजना का लगा कैंप

अयोध्या(संवाददाता)। सिविल लाइन उप केंद्र पर बिजली बिल राहत योजना कैंप का आयोजन किया गया यह कैंप 1 दिसंबर से लागू हुआ। योजना के अंतर्गत घरेलू 2 किलोवाट तक और वाणिज्यिक 1 किलोवाट भार तक के उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी जाएगी। बिजली विभाग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार लेट पेमेंट सरचार्ज (ब्याज) में 100 प्रतिशत की छूट योजना की अवधि तक मान्य होगी।इस योजना के प्रमुख बिंदु मे से लंबित बिल वाले उपभोक्ताओं को मीटर रीडिंग के आधार पर ब्याज माफी मिलेगी।एकमुश्त भुगतान पर अधिकतम राहत तथा किस्तों में भुगतान का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा। और 2000 से 7000 रुपये तक के बकाया बिल वालों को चरणबद्ध छूट मिलेगी। 750 रुपये तक के बकाया को 500 रुपये में निपटाने का विकल्प। 31 मार्च 2025 तक बिल के मूल शुल्क पर ही भुगतान स्वीकार होगा।जिसमे इस योजना की किस्त अवधि मे पहला चरण 1 दिसंबर से 31 दिसंबर,दूसरा चरण 1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 और तीसरा चरण 1 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 किया जाएगा।वही संजय सिंह उपखंड अधिकारी ने बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने क्षेत्रीय कार्यालय से संपर्क कर योजना का लाभ उठाएं। यह अभियान अयोध्या धाम के विद्युत वितरण खंड द्वारा संचालित किया जा रहा है।

छात्रों को दी गयी वित्तीय प्रबंधन व निवेश की जानकारी

अयोध्या(संवाददाता)। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के बैनर तले ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में व्यक्तिगत वित्त प्रबंधन, बचत, वित्तीय योजना, निवेश रणनीतियों तथा वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस मौके पर सेबी स्मार्ट ट्रेनर एवं वित्तीय प्रबंधन क्षेत्र के प्रख्यात विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार मौर्य ने विद्यार्थियों को सूझबूझ भरे वित्तीय निर्णय लेने, नियमित बचत की आदत विकसित करने, विभिन्न निवेश विकल्पों को समझने तथा वित्तीय धोखाधड़ी से सतर्क रहने की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि वित्तीय साक्षरता कृषि व्यवसाय प्रबंधन तथा संबद्ध क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यशाला का संचालन डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी व डॉ. सृष्टि कुशवाहा ने किया।

धान खरीद न होने पर होगा अधिकारियों का घेराव : घनश्याम वर्मा

अयोध्या(संवाददाता)। सरकारी धान का केंद्र प्रभारियों द्वारा किसानों का धान न खरीद कर किसानों को हैरान व परेशान किया जा रहा है जिन किसानों का धान खरीदा भी गया है उन किसानों से आर्थिक शोषण किया गया है धान क्रय केंद्रों पर किसी तरह की सुविधा भी नहीं है। उक्त आरोप लगाते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव घनश्याम वर्मा ने मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह तथा संभागीय खाद्य नियंत्रक (आरएफसी) से मिलकर जनपद के किसानों का धान वास्तविक रूप से खरीदने तथा धान खरीद में किसानों का शोषण न करने की मांग किया है घनश्याम वर्मा ने कहा कि धान क्रय केंद्र प्रभारियों द्वारा किसानों को कल आना, एक महीने बाद आना, धान में नमी है, धान में पइया है, तौलवाई तथा उतरवायी लगेगी जैसी तमाम बहाना बताया जा रहा है और किसानों को परेशान किया जा रहा है घनश्याम वर्मा ने कहा कि जहां सरकारें किसानों की आय दोगुना करना चाहती हैं वहीं धान क्रय केंद्र प्रभारियों द्वारा किसानों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है जो किसी भी दशा में उचित नहीं है। घनश्याम वर्मा चेतावनी दी है कि यदि किसानों का धान खरीदा नहीं गया और किसानों को हैरान परेशान किया गया तो धान क्रय से संबंधित अधिकारियों का घेराव किया जाएगा। अधिकारियों से मिलने तथा वार्ता करने में जिला अध्यक्ष राम गणेश मौर्य ,जिला उपाध्यक्ष भागीरथी वर्मा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष विकास वर्मा, विक्क पटेल, देवी प्रसाद वर्मा शामिल रहे।

राहुल, सोनिया के खिलाफ नई एफआईआर बदले की भावना -किशोर वार्ष्णेय

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल एवं सोनिया गांधी और सात अन्य के विरुद्ध दिल्ली पुलिस की इकोनामिक ऑफेंस विंग की एफआईआर पीएम मोदी एवं गृहमंत्री शाह के बदले की भावना के अलावा कुछ भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह ईडी की शिकायत पर आधारित है जिसका भाजपा के साथ गठबंधन है। बताया कि 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि कांग्रेस नेताओं ने घाटे में चल रहे नेशनल हेराल्ड अखबार को धोखाधड़ी और वित्तीय गड़बड़ी के जरिए हड़प लिया।ध् जब कि यह पूर्ण नान फरोवेटेबिल संस्था है, जिस पर जून 2022 में राहुल गांधी से 5 दिनों में 50 घंटे पूछताछ की गई और सोनिया गांधी से जुलाई 2022 में 12 घंटे सवाल किए गए। दोनों से मिलकर 100 से अधिक सवाल पूछे गए बावजूद इसके ईडी को कुछ भी हासिल नहीं हुआ। ईडी को इस वर्ष मार्च के अंत में उसे चार्ज शीट लगाना था जिसमें वह असफल रही । केस की सुनवाई दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में चल रही है। कोर्ट को यह तय करना है कि ईडी की चार्ज शीट पर संज्ञान लिया जाए या नहीं।वार्ष्णेय ने कहा है 14 जुलाई को बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। इसके बाद 29 जुलाई, 8 अगस्त और 29 नवंबर तक फैसला टाल दिया गया। वार्ष्णेय ने कहा यह मोदी और शाह की शरारतपूर्ण चाल के अलावा कुछ भी नहीं है।

श्रवण, दृष्टि व बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के लिए बड़ी सौगात

-अयोध्या में 3.19 करोड़ की लागत से बन रहा दिव्यांग बच्चों के लिए बचपन डे-केयर सेंटर
-ब्रह्मकुंड में 4 हजार वर्ग फुट भूमि पर आकार ले रहा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग का नया सेंटर
-3 से 6 वर्ष के दिव्यांग बच्चों की देखभाल हेतु अयोध्या में तैयार हो रहा आधुनिक डे-केयर सेंटर

अयोध्या(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने दिव्यांग बच्चों के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रामनगरी अयोध्या में श्रवणबाधित, दृष्टिबाधित व बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के लिए आधुनिक बचपन डे–केयर सेंटर तेजी से निर्माणाधीन है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अंतर्गत करीब 3.19 करोड़ रुपये की लागत से नजूल की भूमि पर बन रहे इस सेंटर से 3 से 6 वर्ष की आयु के उन दिव्यांग बच्चों को विशेष देखभाल, प्रारंभिक शिक्षा और थेरेपी मिलेगी, जिनके माता–पिता दिनभर काम पर रहते हैं। यह सेंटर अयोध्या धाम के पवित्र परिक्रमा मार्ग के पास ब्रह्मकुंड गुरुद्वारा क्षेत्र में करीब 4 हजार वर्ग फुट भूमि पर बनाया जा रहा है। राज्य कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य में तेजी आई है और कार्यदाई संस्था उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड इसे निर्धारित समय में पूरा करने में जुटी है। यह तीन मंजिला होगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशील सोच का यह जीवंत उदाहरण है कि दिव्यांग बच्चों को भी समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही। विशेष डे–केयर सेंटर की कमी के कारण कई अभिभावक अपने छोटे दिव्यांग बच्चों को घर पर अकेला छोड़ने को मजबूर थे या नौकरी छोड़नी पड़ती थी। अब अयोध्या में बन रहा यह सेंटर उन परिवारों के लिए वरदान साबित होगा

सेंटर में बच्चों को सुबह से शाम तक सुरक्षित माहौल में रखा जाएगा। प्रशिक्षित विशेष शिक्षक, थेरेपिस्ट, केयरटेकर और मनोवैज्ञानिक बच्चों की जरूरत के अनुसार व्यक्तिगत ध्यान देंगे।शुरुआती दौर में 30–40 बच्चों को प्रवेश दिए जाने की सूचना मिल रही है, जिसे बाद में बढ़ाया जा सकता है। अलग–अलग दिव्यांगता (श्रवणबाधित, दृष्टिबाधित, बौद्धिक दिव्यांग) के लिए विशेष कक्षाएं व थेरेपी रूम, स्पीच थेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, फिजियोथेरेपी और सेंसरी इंटीग्रेशन थेरेपी की सुविधा, ब्रेल किट, श्रवण यंत्र, संवेदी खिलौने और विशेष शैक्षिक सामग्री रैंप, लिफ्ट, हैंडीकैप टॉयलेट सहित पूरी तरह दिव्यांग–अनुकूल भवन प्रशिक्षित विशेष शिक्षक, स्पीच थेरेपिस्ट और साइकोलॉजिस्ट की टीम, पौष्टिक भोजन, साफ–सफाई, स्वास्थ्य जाँच व सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था रहेगी। अभिभावकों के लिए काउंसलिंग और जागरूकता सत्र यह सेंटर न केवल बच्चों की देखभाल करेगा बल्कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा, भाषा विकास और सामाजिक कौशल को भी बढ़ावा देगा, ताकि आगे चलकर वे सामान्य स्कूलों में आसानी से दाखिला ले सकें। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी ने बताया कि योगी सरकार प्रदेशभर में दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। चाहे दिव्यांगों को आरक्षण, मुफ्त कोचिंग, कृत्रिम अंग वितरण हो या अब यह अनूठा डे–केयर सेंटर हर कदम यह संदेश दे रहा है कि उत्तर प्रदेश में कोई भी दिव्यांग पीछे न छूटे। अयोध्या में बन रहा बचपन डे–केयर सेंटर रामलला की नगरी में दिव्यांग बच्चों के लिए नई उम्मीद की किरण बनकर उभरेगा। यह अगले वित्तीय वर्ष में जुलाई माह तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसका उद्घाटन होने पर सैकड़ों परिवारों के चेहरे पर खुशी लौट आएगी।

बिजली बिल राहत योजना 2025/26 आज से लागू

ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने प्रयागराज से योजना का किया शुभारंभ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार की बहुप्रतीक्षित और उपभोक्ताओं के लिए अत्यंत लाभकारी 'बिजली बिल राहत योजना 2025दृ26' का आज पूरे प्रदेश में विधिवत शुभारंभ हो गया। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने प्रयागराज के सोरांव सब स्टेशन से इस ऐतिहासिक योजना की शुरुआत करते हुए कहा कि यह योजना न केवल उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत प्रदान करेगी, बल्कि बिजली विभाग और उपभोक्ता दोनों के बीच विश्वास व सहयोग के नए युग की शुरुआत करेगी। उन्होंने इसे सरकार की संवेदनशील और परिणामकारी कार्यप्रणाली का उदाहरण बताया।शुभारंभ समारोह में मंत्री श्री शर्मा ने पहले पंजीकरण करने वाले पाँच उपभोक्ताओं को प्रमाणपत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि आज की शुरुआत उन उपभोक्ताओं के लिए राहत की नई किरण है, जिन पर वर्षों से बकाया बिलों का बोझ बना हुआ था। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग योजना का लाभ पा सकें। योजना तीन चरणों में चलेगी। प्रथम चरण 1 दिसंबर 2025 से आरंभ होकर 31 दिसंबर 2025 तक चलेगा। द्वितीय चरण 1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक तथा तृतीय चरण 1 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक चलेगा। प्रथम चरण में 100: ब्याज के साथ मूलधन में 25: की छूट द्वितीय चरण में 15: की छूट एवं तृतीय चरण में 10: की ही छूट दी जाएगी। वन–टाइम सेटलमेंट की यह सुविधा उन उपभोक्ताओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जिनके बिल ब्याज और सरचार्ज के कारण बहुत अधिक हो चुके हैं।इस अवसर पर विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य, विधायक फूलपुर दीपक पटेल, विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी, जिला अध्यक्ष गंगापार श्रीमती निर्मला पासवान, अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगणों सहित एमडी पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम शंभू कुमार, मुख्य विद्युत अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता विद्युत उपभोक्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। योजना के प्रथम चरण में पंजीकरण कराने वाले उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत ब्याज माफी एवं मूलधन पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त छूट मिलेगी, जिससे उनकी देनदारियाँ काफी कम हो जाएगी।ऊर्जा मंत्री ने बताया कि पंजीकरण प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाया गया है। उपभोक्ता विभागीय वेबसाइट्नचचबस. वतह, पर, संबंधित खंडध्उपखंड कार्यालय, जन सेवा केंद्र या किसी भी विभागीय कैश काउंटर से से अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

महत्वपूर्ण है लेखक संगठनों की भूमिका : प्रो. नलिन रंजन

-जनवादी लेखक संघ राज्य परिषद् की हुई बैठक

अयोध्या(संवाददाता)। जनवादी लेखक संघ, उत्तर प्रदेश की राज्य परिषद् की बैठक और 'जनपद की कविताः गोरखपुर' कार्यक्रम का आयोजन प्रेस क्लब, फैघ्जाबाद में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पूरे प्रदेश से आए प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में कवियों, लेखकों और साहित्य–संस्कृति कर्मियों की प्रतिभागिता रही। बैठक को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय महासचिव प्रो. नलिन रंजन सिंह ने कहा कि विचार के लिए इस संकटपूर्ण समय में प्रतिबद्ध लेखक संगठनों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने यह जरूरत जताई कि उर्दू–हिन्दी के लेखकों के साझा प्रयास से ही उस सामाजिक सौहार्द को संजोए रखा जा सकता है जो हमारी साझा विरासत का प्रतीक है। उन्होंने जनवादी लेखक संघ के इतिहास और उसकी मौजूदा सक्रियता के साथ देशव्यापी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। बैठक में ज्ञानप्रकाश चौबे को जनवादी लेखक संघ का कार्यवाहक सचिव चुना गया और उपसचिवों के कार्यभार का बंटवारा किया गया। इसके साथ ही सदस्यता विस्तार, विभिन्न इकाइयों के जिला सम्मेलन, स्थापना दिवस के आयोजन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी बैठक में निर्णय लिए गये। वाराणसी से आए जनवादी लेखक संघ, उ.प्र. के उपाध्यक्ष डॉ. एम. पी. सिंह ने कहा कि साहित्य–संस्कृति के क्षेत्र में छाए कुहासे को दूर करने का काम प्रतिबद्ध लेखक संगठनों के माध्यम से ही किया जा सकता है। कानपुर से आई जनवादी लेखक संघ, उ.प्र. की उपाध्यक्ष अनीता मिश्रा ने कहा कि जलेस वैचारिक कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन कर रहा है जो वर्तमान परिदृश्य में बेहद जरूरी है। फैघ्जाबाद इकाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए डॉ. विशाल श्रीवास्तव ने कहा कि इस शहर ने लम्बे अरसे से अपनी गंगा–जमुनी तहजीब और सहिष्णुता को बनाये रखा है। राजनैतिक रूप से भी यह शहर प्रगतिशीलता के प्रति गहरे रुझान को प्रदर्शित करता रहा है। इस अवसर पर फर्रूखाबाद से आए सुनील कटियार, इटावा से बलवीर पाल, बलिया से अजय कुमार पाण्डेय, आजमगढ़ से अजय कुमार गौतम, लखनऊ से शालिनी सिंह, गोरखपुर से वेदप्रकाश, सुल्तानपुर से रेनू सिंह ने अपनी इकाइयों से सचिव की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दूसरे हिस्से में 'जनपद की कविता' श्रृंखला के अंतर्गत गोरखपुर से आए कवियों का कविता–पाठ आयोजित हुआ। वरिष्ठ कवि स्वप्निल श्रीवास्तव ने कविता–सत्र की अध्यक्षता करते हुए गोरखपुर से आए हुए कवियों की सराहना की। उन्होंने प्रसिद्ध आलोचक परमानंद श्रीवास्तव, कवि देवेन्द्र कुमार बंगाली और सुरेन्द्र काले को याद करते हुए गोरखपुर से समृद्ध साहित्यिक वातावरण की चर्चा की। इस सत्र में वरिष्ठ कवि प्रमोद कुमार, गोरखपुर इकाई के सचिव वेदप्रकाश, जयप्रकाश मल्ल, विनय मितवा और विनय अजीज ने अपनी कई कविताओं का पाठ किया। इन कविताओं की वैचारिक अंतर्वस्तु और शिल्प की सभी श्रोताओं ने प्रशंसा की। कविता–सत्र का संचालन फैघ्जाबाद इकाई के कोषाध्यक्ष और कार्यवाहक सचिव मुजम्मिल फिदा ने किया। आमंत्रित कवियों और अतिथियों को फैघ्जाबाद इकाई की ओर से अध्यक्ष मो. जफर, डॉ. नीरज सिन्हा 'नीर', विनीता कुशवाहा, अखिलेश सिंह, ओमप्रकाश रोशन, बृजेश श्रीवास्तव, इल्तिफात माहिर, पूजा श्रीवास्तव, मांडवी सिंह मो. शफीक, और रवीन्द्र कबीर ने स्मृति–चिह्न भेंट किया। वरिष्ठ शायर और फैघ्जाबाद इकाई के संरक्षक एडवोकेट रामजीत यादव 'बेदार' ने अपनी पुस्तक 'जलते सवालों तक' अतिथियों को भेंट की। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए संयोजक सत्यभान सिंह जनवादी ने कहा कि लेखक संगठन समाज को दिशा दिखाने का काम करते हैं। कार्यक्रम में लखनऊ से लेखिका समीना खान और नाइश हसन, आजमगढ़ से अरुण कुमार मौर्य सहित फैघ्जाबाद से वरिष्ठ कवि–चिंतक आर. डी. आनन्द, वरिष्ठ कवि आशाराम जागरथ, रामजीत यादव 'बेदार', सीबी भारती, डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, डॉ. कुमकुम भाग्या,अखिलेश,संदीप सिंह, साधना सिंह,परेश पाण्डेय, कथाकार नीतू मुकुल, रामदुलारे बौद्ध, घनश्याम, वाहिद अली, महावीर पाल सहित बड़ी संख्या में साहित्य–संस्कृति कर्मियों की उपस्थिति रही।

संसद को नसीहत देना वास्तविकता से पलायन है- अंकित यादव

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद में दिए गए बयान "संसद में ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए, नारे नहीं, नीति होनी चाहिए" पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अंकित सिंह यादव ने कड़ा प्रतिवाद किया है।अंकित सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री का संसद को नसीहत देना वास्तविकता से पलायन है। उन्होंने कहा कि देश की जनता संसद में ड्रामा नहीं, बल्कि सरकार से जवाबदेही और ठोस कार्रवाई चाहती है, जो बीते वर्षों में दिखाई नहीं देती। श्री यादव ने आरोप लगाया कि जब भी विपक्ष जनता के मुद्दे उठाता है, सरकार उसे ड्रामा करार देकर अपनी जिम्मेदारियों से बचने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि नारेबाजी की राजनीति भाजपा की पहचान बन चुकी है। प्रधानमंत्री को विपक्ष पर उंगली उठाने से पहले यह देखना चाहिए कि नीतियाँ कागज पर नहीं, जमीन पर कितनी लागू हुई हैं। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आय, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर वास्तविक डिलीवरी के अभाव ने देश की आम जनता को परेशान कर रखा है।श्री यादव ने यह भी कहा कि संसद लोकतंत्र का मंदिर है, और वहाँ विपक्ष की आवाज को 'ड्रामा' कहना लोकतांत्रिक परंपराओं के विरुद्ध है।

कला और व्यापार दोनों ही साधना का विषय- स्वाती निरखी

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में प्रारंभ होने वाले 10 दिवसीय राष्ट्रीय शिल्प मेले में सात राज्यों से आए हुए कलाकारों द्वारा शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का गत वर्षो की तरह सिविल लाइंस उद्योग व्यापार मंडल के सभी व्यापारियों द्वारा सुभाष चौराहे पर भव्य स्वागत किया गया। महिला अध्यक्ष स्वाती निरखी ने एनसीजेडसीसी के निदेशक सुदेश शर्मा के प्रतिनिधि के तौर पर कल्पना सहाय को अंग वस्त्रम एवं बुके देकर स्वागत किया

सनातन जोड़ता है, तोड़ता नहीं : महामंडलेश्वर बाबा महादेव

-गुरुकुल में वेद और विज्ञान दोनों की पढ़ाई एक साथ होगी : सतीश चन्द्र शास्त्री
-श्री राम आर्ष गुरुकुल विद्यापीठ संस्थान का हुआ भूमिपूजन व शिलान्यास

अयोध्या(संवाददाता)। जनपद के ग्राम किनौली, टांडिया में श्री राम आर्ष गुरुकुल विद्यापीठ संस्थान का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया गया। भूमि पूजन के अवसर पर मुख्य अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय महामंडलेश्वर बाबा महादेव उपस्थित रहे। गुरुकुल के भूमि पूजन एवं शिलान्यास के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय महामंडलेश्वर बाबा महादेव ने कहा कि गुरुकुल की स्थापना एक महान कार्य है जिसको वर्षों तक याद किया जाएगा। गुरुकुल की स्थापना से ही विद्यार्थियों का सृजन होगा और उनके सृजन से ही भारत का उत्थान होगा। कहा कि सनातन हमेशा जोड़ता है, तोड़ता नहीं इसीलिए सनातन में तलाक जैसी व्यवस्था ही नहीं है। आजकल युवाओं में चरित्रहीनता बढ़ती जा रही है और वे नशे की तरफ बढ़ते जा रहे हैं। इसका कारण संस्कार में कमी आना है। अंग्रेजी शिक्षा ने भारत की शिक्षा पद्धति को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है। हमारी शिक्षा पद्धति से पढ़ा व्यक्ति कभी आतंकवादी नहीं बनता, वह हमेशा मानवता का रक्षक होता है न कि मानवता का भक्षक। कहा कि संस्कार में कमी के कारण आज प्राचीन भारत की सभी संस्थाएं कमजोर पड़ती जा रही हैं। लोगों को संस्कारवान कैसे बनाया जाए इसका समाधान हमारे वेदों, ग्रंथों और उपनिषदों में पहले से ही बताया गया है। हमारे आदर्श प्रभु श्री राम हैं जो हमें सिखाते हैं कि माता–पिता की आज्ञा मानो, वैभव का त्याग कर दो किंतु अपने शस्त्र और शास्त्र दोनों का त्याग कभी मत करो। इनका त्याग करने से धर्म की रक्षा नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राम मंदिर के निर्माण और उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी गुरुकुल से निकले विद्यार्थी ही करेंगे जो शस्त्र और शास्त्र दोनों में पूर्ण रुप से पारंगत होंगे। गुरुकुल के प्रबंधक एवं क्रांतिकारी राष्ट्र चिंतक और कथा व्यास पंडित सतीश चंद्र शास्त्री ने बताया कि एक समय पूरे भारतवर्ष में साढ़े सात लाख गुरुकुल थे लेकिन अंग्रेजी शिक्षा पद्धति के कारण आज लगभग समाप्त हो गए हैं। लोग धनोपार्जन तो कर रहे हैं लेकिन जीवन को कैसे जीना है इसको लेकर वे जागरूक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारत माता की दो संताने हैं एक बेटा और एक बेटी। बेटे का नाम संस्कार है और बेटी का नाम संस्कृति। गुरुकुल में पढ़ने वाले बच्चे संस्कारी बनकर निकलेंगे और अपनी संस्कृति की रक्षा करेंगे।

लायंस क्लब ने वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को वितरित की सामग्री

संवाददाता

इटावा। लायंस क्लब इटावा द्वारा सरोज वृद्धाश्रम में शीत ऋतु में वृद्धजनों को स्वेटर, शॉल तथा जैकेट्स के साथ फलों का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य में लायन नवीन अग्रवाल द्वारा सभी वृद्धजनों को कंबल वितरित किए गए। सेवा कार्य में जीएमटी समन्वयक लायन अतुल भार्गव, लायन संतोष चौधरी, लायन मनीष गुप्ता, लायन नवीन अग्रवाल, सचिव लायन डॉ. मोहित श्रीवास्तव व कोषाध्यक्ष लायन गौरव पोरवाल ने विशेष सहयोग किया। वृद्धजनों की आवश्यकतानुसार वृद्धाश्रम कमेटी के आशीष त्रिपाठी के निवेदन पर सभी वृद्ध जनों को शीघ्र ही जूते लायन संतोष चौधरी के सौजन्य से उपलब्ध कराए जाएंगे। अंत में अध्यक्ष लायन ज्ञान अग्रवाल ने सभी को सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

भरथना सीओ के सेवानिवृत्त होने पर दी विदाई

संवाददाता

इटावा। पुलिस लाइन सभागार में भरथना सीओ अतुल प्रधान के सेवानिवृत्त होने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने माला और शॉल उढ़ाकर एवं घड़ी भेंट कर उन्हें उन्हें विदा किया। इस मौके पर पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके सम्मान में एक विदाई समारोह का आयोजन किया, जिसमें उनकी सेवाओं की सराहना की गई। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी बुका भेंट कर एवं शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया एवं नम आंखों से विदाई दी। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन भारत के प्रदेश कार्यकारणी सदस्य मोहम्मद आमीन, ऑल इंडिया उलेमा व मशाइख बोर्ड यूनिट के जिला अध्यक्ष हाजी शेख शकील अहमद, जिला उपाध्यक्ष शेख मोहम्मद नवाब आदि लोगों ने सेवानिवृत्त भरथना सीओ अतुल प्रधान को माला पहनाकर और शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया और उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें विदाई दी।

मिशन शक्तिटीम का जागरूकता अभियान

संवाददाता

इटावा। थाना फ्रेण्ड्स कालोनी मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्रान्तर्गत कस्बा क्षेत्र व रेलवे कॉलोनी में जाकर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करते हुए मिशन शक्ति तथा फेज–5 के तहत व साइबर जागरूकता नये कानून के बारे में उन्हें सुरक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता के विषय में। साइबर जागरूकता की जानकारी दी। इस दौरान उन्हें महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर एवं सरकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर पुलिस आपातकालीन सेवा 112 स्वास्थ्य सेवा, एंबुलेंस 102, 108 वीमेन पावर लाइन 1090 चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 वीमेन हेल्पलाइन 181 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 संदेश स्वस्थ और सतर्क रहना ही असली सुरक्षा है। सरकारी योजनाएँ महत्वपूर्ण विधवा पेंशन योजना वृद्धावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना नशा मुक्ति भारत अभियान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन स्वास्थ्य बीमा योजना सलाह इन योजनाओं का लाभ अपने और परिवार के जीवन को बेहतर बनाने के लिए उठाने एवं हेल्पलाइन नंबर और योजनाओं की जानकारी परिवार और दोस्तों के साथ साझा करने। छात्र–छात्राओं को पढ़ाई को हमेशा प्राथमिकता दें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपना भविष्य उज्ज्वल बनाने। सुरक्षित रहें स्वस्थ रहें और सीखी हुई जानकारी परिवार व दोस्तों से साझा करने।

आदर्श स्कूल इकदिल में अभिभावक गोष्ठी पांच को

संवाददाता

इकदिल, इटावा। आदर्श प्राथमिक विद्यालय एवं इंडियन एकेडमी मुहल्ला कायस्थान इकदिल में अभिभावक गोष्ठी का आयोजन पांच दिसम्बर दिन शुक्रबार को प्रातः नौ बजे से किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए आदर्श प्राथमिक विद्यालय इकदिल के प्रधानाचार्य डॉ.सुशील सम्राट ने सभी अभिभावक बंधुओं से गोष्ठी में निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

दबंगों ने फूंका गरीब परिवार का घर, विरोध करने पर महिला से मारपीट

संवाददाता

थानगाँव, सीतापुर। जनपद के थानगांव थाना क्षेत्र में आबादी की जमीन को लेकर चल रहा विवाद रविवार को खूनी संघर्ष में बदल गया। महेशपुर ग्राम सभा के मजरे लोनियनपुरवा गांव में 7–8 दबंगों ने एक गरीब परिवार के झोपड़ीनुमा घर को आग लगाकर पूरी तरह जला दिया। जब परिवार की महिला ने इसका विरोध किया, तो दबंगों ने उसके साथ बेशर्मी से मारपीट भी की। पुरखों के कब्जे वाली जमीन पर बना था आशियाना पीड़ित रामकिशुन पुत्र मयाराम और रामसागर पुत्र महादेव ने पुलिस को बताया कि गांव के अंदर आबादी की जिस जमीन पर उनके पुरखों का लंबे समय से कब्जा था, वहीं उनका झोपड़ीनुमा घर बना हुआ था। वे अपने परिवार के साथ यहीं रहकर जीवन–यापन कर रहे थे। विरोध करने पर महिला को पीटा रविवार को अचानक कुछ दबंगों ने मिलकर उनके घर को आग के हवाले कर दिया और उसे पूरी तरह से नष्ट कर दिया। जब रामसागर की पत्नी कुसमा (45 वर्ष) ने इस क्रूरता का विरोध किया, तो आरोपियों ने उसके साथ जमकर मारपीट की। इस हमले में कुसमा चोटिल हो गईं। पुलिस ने शुरू की जांच, महिला का मेडिकल जारी पीड़ित परिवार ने तुरंत थानगांव पुलिस को घटना की सूचना दी ।

25 बीएलओ की मौत पर आप का विरोध, श्रद्धांजलि सभा

संवाददाता

इटावा। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आह्वान पर प्रदेश व्यापी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन भरथना के बालूगंज स्थित शहीद पार्क में किया गया। देशभर में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के नाम पर भाजपा सरकार और चुनाव आयोग बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) पर इस हद तक दबाव बना रहे हैं कि अब तक 25 से अधिक बीएलओ अपनी जान गंवा चुके हैं। आप जिलाध्यक्ष संजीव शाक्य ने कहा कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि लोकतंत्र के खिलाफ संगठित अपराध है। जब चुनाव में अभी डेढ़ साल बाकी है तो इतनी बेतहाशा जल्दबाजी क्यों? क्या यह चुनाव सुधार है या विपक्ष और वंचित वर्ग को सूची से हटाने की सोची–समझी साजिश संजीव शाक्य ने कहा कि बीएलओ को बिना संसाधन, बिना प्रशिक्षण और बिना समय सीमा के ऐसी परिस्थितियों में काम कराया जा रहा है कि लोग नौकरी बचाने के डर में आत्महत्या तक कर रहे हैं। यह तानाशाही शासन है। संजीव शाक्य ने कहा कही कहीं बीएलओ को रातभर ड्यूटी करनी पड़ रही है, घर–घर जाकर राजनीतिक दबाव और धमकियों के बीच डेटा अपडेट करना पड़ रहा है। कई बीएलओ अवसाद, तनाव और हार्ट अटैक का शिकार हुए, लेकिन चुनाव आयोग और सरकार अब तक किसी मृत बीएलओ के परिवार को मुआवजा, समर्थन या न्याय देने की घोषणा तक नहीं कर सके यह अत्यंत शर्मनाक है। आप जिलाध्यक्ष ने कहा कि चुनाव आयोग की इस निर्मम जल्दबाजी का नतीजा 25 से ज्यादा मौतों के रूप में सामने आया है और अब आयोग को जवाबदेह ठहराया जाना

चाहिए और एस आई आर की समय सीमा कम से कम 3 माह की जानी चाहिए। मृत बीएलओ को श्रद्धांजलि देने के साथ यह मांग उठाई जाएगी कि बीएलओ की मौतों की उच्च स्तरीय जांच हो, परिवारों को मुआवजा दिया जाए और एसआईआर के नाम पर हो रहा अत्याचार तुरंत रोका जाए। कार्यक्रम में संजीव शाक्य जिला अध्यक्ष, भजनलाल जिला उपाध्यक्ष, एजाज मोहम्मद जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, अशोक यादव विधानसभा अध्यक्ष, मोहम्मद नफीस, अंकुर कुमार जिला उपाध्यक्ष, किशन लाल, प्रदीप पोरवाल, महेश चंद्र, जीतू यादव, सर्वेश, राम शंकर, .पाराम, दिनेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

एबीएसए पर एफआईआर दर्ज, डीएम की समीक्षा में चुनावी कार्य में घोर लापरवाही फोटो परिचय-6

संवाददाता

सीतापुर। जिला प्रशासन ने चुनावी कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए एक बड़ी कार्रवाई की है। सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी कुलदीप कुमार के खिलाफ गंभीर लापरवाही के आरोपों में शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) की अध्यक्षता में हुई। समीक्षा बैठक के बाद उनके कड़े निर्देश पर की गई है। डीएम की नाराजगी और शून्य प्रगति बताया जाता है कि डीएम द्वारा सुद्धीकरण एवं पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जा रही थी। इस दौरान बूथ संख्या 50 से 150 तक के महत्वपूर्ण एसआईआर संबंधित कार्यों में शून्य प्रगति पाए जाने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। बार–बार निर्देश दिए जाने के बावजूद एबीएसए द्वारा न तो कोई रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और न ही उन्होंने निर्वाचन अभियान में रुचि दिखाई। बैठक में मोबाइल बंद, जिम्मेदारी से मुंह मोड़ा बैठक के दौरान एबीएसए कुलदीप कुमार का मोबाइल फोन भी बंद पाया गया, जिससे उनकी भूमिका संदिग्ध मानी गई। जिला प्रशासन का स्पष्ट कहना है कि लगातार निर्देशों की अनदेखी और लापरवाही के कारण चुनावी कार्य बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत केस दर्ज डीएम के निर्देश पर, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सिटी मजिस्ट्रेट ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एबीएसए के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्वाचन कार्य अत्यंत संवेदनशील होता है और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता अस्वीकार्य है। यह सख्त कानूनी कार्रवाई शिक्षा विभाग और प्रशासनिक महकमों में चर्चा का विषय बनी हुई है। प्रशासन ने इस कदम से अन्य विभागीय कर्मियों को भी स्पष्ट संकेत दिया है कि निर्वाचन संबंधी कार्यों में लापरवाही बरतने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। शहर कोतवाली में दर्ज इस मुकदमे के बाद संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारियों और निष्पादन की भी गहन जांच की जाएगी।

साइबर सुरक्षा दिवस पर दिया जागरूकता प्रशिक्षण

संवाददाता

सीतापुर। राजकीय इण्टर कालेज के सभागार में राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा दिवस के अवसर पर एक विस्तृत जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन 22 यूपी एनसीसी बटालियन द्वारा किया गया, जिसमें राजकीय इण्टर कालेज, आर.एम.पी. इण्टर कालेज तथा आर.एम. डिग्री कालेज के एनसीसी कैडेटों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। पूरे कार्यक्रम में लगभग सभी कैडेटों ने अनुशासन, उत्साह और सीखने की तत्परता का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ एनसीसी अधिकारी कैप्टन खान शादाब जमीर के उद्बोधन भाषण से हुआ। उन्होंने राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में साइबर सुरक्षा हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के बीच युवाओं को साइबर खतरों, डेटा सुरक्षा और डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। इसके पश्चात जिला साइबर टीम के साइबर विशेषज्ञ का0 पुष्पेन्द्र सिंह और का0 अमित कुमार द्वारा विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रस्तुति दी गई, जिसमें ऐपीके फाइल से होने वॉले ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, पासवर्ड सुरक्षा, फिशिंग और साइबर बुलिंग जैसे मुद्दों पर विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से कैडेटों को समझाया कि छोटी–सी सावधानी बड़े साइबर अपराधों को रोक सकती है। साथ ही, डिजिटल भुगतान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा मोबाइल कंप्यूटर सुरक्षा से संबंधित टिप्स भी साझा किए गए। प्राचार्य अशोक कुमार ने बताया कि राष्ट्र निर्माण में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और डिजिटल युग में उनकी जागरूकता ही समाज को सुरक्षित दिशा दे सकती है।

उन्होंने कैडेटों को साइबर सुरक्षा जागरूकता दूत के रूप में आगे आने का 6 किया। कार्यक्रम में कैडेटों ने साइबर सुरक्षा पर पोस्टर, स्लोगन, नुक्कड़ नाटक और प्रस्तुति के माध्यम से समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया। कई कैडेटों ने साइबर अपराधों से जुड़े अनुभवों को भी साझा किया, जिससे कार्यक्रम और अधिक प्रभावी बन गया। समापन सत्र में प्राचार्य एवं प्रवक्ता शादाब आलम ने सभी प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल ज्ञान बढ़ाते हैं बल्कि युवा पीढ़ी को सजग और जिम्मेदार नागरिक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम अत्यंत सफल, प्रेरणादायी और ज्ञानवर्धक साबित हुआ। इस अवसर पर 22 उ0प्र0 एनसीसी बटालियन के हवलदार पदम श्रेष्ठ हवलदार शिवराज सिंह, एलुमिनी कैडेट अंकुर श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

भगौतीपुर में छप्पर जलकर राख, लाखों का नुकसान - ग्रामीणों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

संवाददाता

अटरिया, सीतापुर। जिले के अटरिया थाना क्षेत्र के भगौतीपुर गांव में शनिवार देर रात एक घर के बाहर बने छप्पर में अचानक आग भड़कने से हड़कंप मच गया। आग लगने की यह घटना इतनी भीषण थी कि कुछ ही मिनटों में एक मोटरसाइकिल, अनाज और अन्य घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। पीड़ित परिवार को एक लाख रुपये से अधिक का बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। बिजली के पोल से निकली चिंगारी बनी वजह यह घटना राहुल के घर के बाहर हुई, जहाँ छप्पर के नीचे उनकी मोटरसाइकिल, गेहूँ चावल और अन्य सामान रखा था। ग्रामीणों के अनुसार, आग की शुरुआत पास ही लगे जर्जर विद्युत पोल से निकली चिंगारी से हुई। चिंगारी छप्पर पर गिरते ही आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते इसने विकराल रूप धारण कर लिया। राहुल और उनके परिजनों ने शोर मचाकर गांव वालों को इकट्ठा किया। ग्रामीणों की तत्परता से बची बड़ी तबाही आग की सूचना मिलते ही गांव के लोग बिना देर किए बाल्टी, पाइप और मिट्टी लेकर घटनास्थल पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। हालाँकि, तब तक राहुल की मोटरसाइकिल और छप्पर के नीचे रखा सारा खाद्यान्न व घरेलू सामान पूरी तरह राख में बदल चुका था। देरी से पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझने के काफी देर बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित किया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जानमाल की हानि नहीं हुई, लेकिन पीड़ित परिवार का लाखों का सामान जल गया। पीड़ित राहुल ने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से आग को घर तक पहुंचने से रोक दिया गया, वरना एक बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। बिजली विभाग से जर्जर पोल ठीक कराने की मांग इस घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली विभाग से इलाके के जर्जर तारों और झूलते पोलों को तुरंत ठीक कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और लोग सुरक्षित रह सकें।

आधुनिकीकरण के माथे का कलंक बनी 50 साल पुरानी दरी मिल

- मजदूर की मेहनत का दो-तिहाई हिस्सा कर रहे हजम

संवाददाता

सिधौली, सीतापुर। जहाँ एक ओर योगी सरकार डिजिटल इंडिया और आधुनिकीकरण की नीतियों पर बल दे रही है, वहीं दूसरी ओर सिधौली विधानसभा क्षेत्र स्थित अटरिया थाना क्षेत्र के हीरीपुर ग्राम में स्थापित मधु इंडिया देको लिमिटेड दरी मिल पिछले लगभग 50 वर्षों से गरीब और दैनिक मजदूरों के शोषण का कलंक बनी हुई है। दैनिक मजदूरों के हक मारने और श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ाने का यह मामला तब और गंभीर हो जाता है जब यह तथ्य सामने आता है कि दशकों से इस फैक्ट्री के संचालक डिजिटल डिजिटाइजेशन की जगह, हाथों–हाथ और अधूरा भुगतान कर रहे हैं, जिससे मजदूरों के शोषण का कोई लिखित रिकॉर्ड न बन पाए। मजदूरों की मेहनत का दो–तिहाई हिस्सा हजम फैक्ट्री में काम करने वाले दैनिक मजदूरों की मुख्य शिकायत यह है कि उन्हें उनकी मेहनत का पूरा हक नहीं मिल रहा है। सूत्रों के अनुसार मिल संचालक न केवल पूरी मजदूरी देने से बच रहे हैं, बल्कि मजदूर की मेहनत के वेतन का दो तिहाई हिस्सा तक हजम कर रहे हैं। आधुनिक बैंकिंग और डिजिटल भुगतान के दौर में भी, श्रमिकों को 50 सालों से हाथों–हाथ मजदूरी दी जा रही है। दरी मिल में काम करने वाले मजदूरों को महीने में एक भी छुट्टी नहीं मिल रही है, जो कि श्रम कानूनों का सीधा उल्लंघन है। श्रमिक यहाँ के ऊंचे नौकरशाही (फैक्ट्री प्रबंधन) की मनमानी और दबाव झेलने को मजबूर हैं। डीएम के निरीक्षण के बाद भी स्थिति जस की तस इस मामले की गंभीरता को देखते हुए, पहले जिलाधिकारी ने मिल का निरीक्षण भी किया था लेकिन, हैरानी की बात यह है कि निरीक्षण के बाद भी दैनिक मजदूरों को उनकी मेहनत का पूरा हक नहीं मिल रहा है। पिछले एक वर्ष पहले दीपावली के समय, इन शोषित लेबरों ने अपने हक की लड़ाई के लिए चक्का जाम जैसा सख्त कदम उठाया था, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि फैक्ट्री संचालक आज भी लवाना राज की तरह काम कर रहे हैं। जिला प्रशासन पर संलिप्तता के गंभीर आरोप मजदूरों और स्थानीय लोगों के बीच दबी जुबान में यह चर्चा है कि दरी फैक्ट्री के तीनों ब्रांचों में चल रहे इस शलवाना राजश के पीछे जिले के आला अधिकारियों की संलिप्तता है।

बुंदेलखंड राष्ट्र समिति की मांग पर सांसद ने किया बड़ा वादा

संवाददाता

बांदा। बुंदेलखंड राज्य की वर्षों पुरानी मांग को लेकर चल रहे जनांदोलन ने शुक्रवार को एक नई दिशा पकड़ ली। बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के बढ़ते दबाव और क्षेत्रीय जनता की आवाज को देखते हुए लोकसभा सांसद की ओर से यह आश्वासन दिया गया कि वे संसद के आगामी शीत सत्र में बुंदेलखंड राज्य के गठन की मांग को स्पष्ट और मजबूती से उठाएँगी। यह आश्वासन उस समय आया, जब संगठन ने सांसद आवास के घेराव की घोषणा कर दी थी और जिले में माहौल गर्म था। बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के कार्यकर्ता सुबह से ही घेराव की तैयारी में जुटे थे, लेकिन सांसद की ओर से मांग स्वीकार कर लेने और आश्वासन दिए जाने के बाद समिति ने बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लेते हुए घेराव कार्यक्रम को निरस्त कर दिया। समिति को मिला स्पष्ट भरोसा समिति के महासचिव डालचंद्र एडवोकेट ने बताया कि सांसद की ओर से वार्ता करने सांसद प्रतिनिधि एवं पूर्व प्रमुख शिवशंकर सिंह पटेल पहुंचे और उन्होंने कहा कि सांसद स्वयं इस मांग की गंभीरता को समझती हैं। आने वाले संसद सत्र में बुंदेलखंड राज्य के मुद्दे को उठाने का निर्णय ले चुकी हैं। डालचंद्र एडवोकेट ने कहा कि बुंदेलखंड की जनता वर्षों से विकास, रोजगार, सिंचाई संकट, जल संकट और पलायन की समस्याओं से जूझ रही है। ऐसे में अलग राज्य की मांग अब सिर्फ एक राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि जनमानस की साझा पीड़ा बन चुकी है। सांसद द्वारा मांग स्वीकार किए जाने को संघर्ष की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। सौ बीमारी का एक इलाज बुंदेलखंड राज्य बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण पांडेय बुंदेलखंडी ने कहा कि बुंदेलखंड में सौ प्रकार की समस्याएँ हैं और उन सभी का एक ही स्थायी समाधान है अलग बुंदेलखंड राज्य। जब तक स्वतंत्र प्रशासनिक इकाई नहीं बनेगी, तब तक क्षेत्र का संपूर्ण विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि संगठन का आंदोलन अहिंसात्मक और जनकेंद्रित है, और इसका उद्देश्य सरकार व जनप्रतिनिधियों को जनता की वास्तविक स्थिति से अवगत कराना है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सांसद अपना वादा पूरा नहीं करतीं, तो आंदोलन और अधिक व्यापक रूप लेगा। सांसद आवास का घेराव क्यों हुआ निरस्त? रविवार की सुबह समिति और कार्यकर्ता सांसद आवास के घेराव के लिए संगठित हो रहे थे। क्षेत्र में भारी उत्साह था और बड़ी संख्या में महिलाएँ और युवा शामिल होने की तैयारी में थे। लेकिन सांसद प्रतिनिधि द्वारा मांग स्वीकार कर ली गई और स्पष्ट किया गया कि संसद में यह मुद्दा उठाया जाएगा। इस आश्वासन के बाद बुंदेलखंड राष्ट्र समिति ने अपने लोकतांत्रिक व संयमित चरित्र को ध्यान में रखते हुए घेराव कार्यक्रम निरस्त कर दिया। आंदोलन को मिली नई ऊर्जा संगठन ने इसे आंदोलन की बड़ी जीत बताते हुए कहा कि यह स्पष्ट संकेत है कि अब जनप्रतिनिधि भी बुंदेलखंड के जनभावनाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते। आने वाले दिनों में समिति जिला.जिला, गांव.गांव में जनजागरण अभियान तेज करेगी, जनप्रतिनिधियों से प्रश्न करेगी और जनता की आवाज को दिल्ली तक पहुँचाएगी। बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण पांडेय का कहना है कि यह सिर्फ शुरुआत है और जब तक अलग बुंदेलखंड राज्य का गठन नहीं हो जाता, संघर्ष जारी रहेगा।

यातायात माह नवंबर का हुआ समापन

संवाददाता

बांदा। नवंबर माह के यातायात माह का समापन एक भव्य कार्यक्रम के साथ हुआ पुलिस लाइन ग्राउंड पर आयोजित इस समारोह में सड़क सुरक्षा को लेकर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीआईजी राजेश एस और जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद उपस्थित रहे। पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी इस समारोह में भाग लिया। उत्ष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्रों ने रंगोली बनाकर लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। पुलिस के द्वारा विद्यालयों में जाकर छात्र एवं छात्राओं को सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें सड़क नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। यातायात माह नवंबर के दौरान सड़क सुरक्षा को लेकर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और उन्हें सड़क नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना था। इस समारोह के माध्यम से बांदा में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली।

फाइनल मुकाबले में धएमरल्ड टीम ने मारी बाजी

संवाददाता

बहराइच। स्पार्क कालेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज एंड अलादादपुर में तीन दिवसीय स्पोर्ट्स एंड सांस्तिक कार्यक्रम स्पार्क स्पेक्ट्रा 2025 सेशन–2 का समापन हुआ। स्पोर्ट्स कार्यक्रम में तीन टीमों का फाइनल मुकाबला हुआ। जिसमें प्रथम विजेता में एमरल्ड टीम,द्वितीय विजेता में सफायर टीम व तृतीय विजेता में डायमंड टीम रही।

दिसंबर में पूरे महीने जिले में मनाया जाएगा टीका उत्सव

संवाददाता

सीतापुर। जनपद में स्वास्थ्य विभाग एक से 31 दिसंबर तक टीका उत्सव आयोजित करेगा। इस विशेष अभियान का उद्देश्य नियमित टीकाकरण से वंचित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें आवश्यक टीके लगवाना है। टीका उत्सव के दौरान जनजागरूकता बढ़ाने और अभिभावकों को प्रेरित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां की जाएंगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने आमजन से अपील की कि अधिक से अधिक लोग इस अभियान में भाग लें और अपने बच्चों को टीकाकरण कराकर उन्हें गंभीर और जानलेवा बीमारियों से सुरक्षित रखें। उन्होंने कहा कि आसपास ऐसे बच्चों को पहचानें जो किसी कारणवश टीकाकरण से छूट गए हों और उनके अभिभावकों को प्रेरित करें। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. इमरान अली ने बताया कि टीका उत्सव के दौरान हेपेटाइटिस–बी, पेंटा–1, 2, 3, एमआर–1, एमआर–2, जेई, डीपीटी बूस्टर सहित आवश्यक टीके लगाए जाएंगे। जिन बच्चों का टीका तो लगा है लेकिन पोर्टल पर दर्ज नहीं हुआ है, उनकी जानकारी आशा कार्यकर्ता द्वारा लेकर यू–विन पोर्टल पर अपडेट की जाएगी।

बैड बाय कार्तिक से नागा शौर्य का नया लव ट्रैक अंधमैना फिगा: नुव्वा हुआ जारी रिलीज

नागा शौर्य की आगामी फिल्म बैड बॉय कार्तिक के रोमांटिक गाने अंधामैना फिगारु नुव्वा का लिरिकल वीडियो रिलीज हो गया है। हैरिस जयराज द्वारा रचित इस गाने में श्रीधर सेना और प्रिया जर्सन ने अपनी भावपूर्ण आवाज दी है और कृष्ण कंठ ने इसके बोल लिखे हैं। राम देसिन द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक व्यावसायिक एक्शन एंटरटेनर होने का वादा करती है जिसमें जबरदस्त ड्रामा और कॉमेडी का मिश्रण है।नागा शौर्य इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं उनके साथ विधि, समुथिरकानी, नरेश वीके, साईकुमार, माइम गोपी, श्रीदेवी विजयकुमार, केनेला किशोर और ब्रह्माजी भी हैं। टीजर में नागा शौर्य का रौद्र और आक्रामक किरदार दिखाया गया है जो उनके विशालकाय अवतार का संकेत देता है। समुथिरकानी ने वरधा रेड्डी की भूमिका निभाई है जो कहानी में गहराई जोड़ते हैं।इस फिल्म में एक बेहतरीन तकनीकी टीम है जिसमें रसूल एलोर द्वारा छायांकन, कोटागिरी वेंकटेश्वर राव द्वारा संपादन और रमनजनेयुलु द्वारा कला निर्देशन शामिल है। इस परियोजना के साथ तेलुगु सिनेमा में हैरिस जयराज की वापसी ने खूब सुर्खियाँ बटोरी हैं और फिल्म के विविध कलाकार और क्रू एक संपूर्ण मनोरंजन का वादा करते हैं।इस फिल्म में सुप्रीम सुंदर और पृथ्वी द्वारा कोरियोग्राफ किए गए जबरदस्त एक्शन दृश्यों के साथ–साथ राजू सुंदरम, शोबी मास्टर, विजय पोलंकी और सिरीश द्वारा निर्देशित मनमोहक नृत्य गीत भी शामिल हैं। गीतों के बोल चंद्र बोस, रामजोगय्या शास्त्री, कसारला श्याम और कृष्णकांत ने लिखे हैं।

राधिका आप्टे और दिव्येंदु की फिल्म साली मोहब्बत का ट्रेलर जारी, ओटीटी पर होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका आप्टे और मिर्जापुर से मशहूर हुए अभिनेता दिव्येंदु ओटीटी पर धमाका करने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी चर्चित फिल्म साली मोहब्बत का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इस फिल्म के जरिए अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा निर्देशन की दुनिया में कदम रख रही है। वहीं फिल्म के निर्माता ज्योति देशपांडे, मनीष मल्होत्रा और दिनेश मल्होत्रा हैं। निर्माताओं ने साली मोहब्बत का ट्रेलर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठा दिया है।साली मोहब्बत एक क्राइम–थ्रिलर फिल्म है जिसमें राधिका छोटे शहर की महिला स्मिता का किरदार निभा रही हैं। दिव्येंदु पहली बार पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आए हैं। हालांकि, उनका अभिनय काफी हद तक उनके मिर्जापुर के किरदार मुन्ना भैया की याद दिलाता है। अनुराग कश्यप भी फिल्म में अहम किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में भावनाओं, धोखा और फरेब का फुल तड़का लगाया गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर 12 दिसंबर, 2025 को साली मोहब्बत रिलीज की जाएगी।

अभिनय की दुनिया एक अलग जिंदगी जीने की आजादी देती है: निमरत कौर

ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर जब भी कोई नया सीजन रिलीज होता है, तो दर्शक सबसे पहले यह देखना चाहते हैं कि उनके पसंदीदा किरदारों के साथ क्या नया हुआ है और कौन से नए किरदार कहानी में जुड़ रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में रिलीज हुई द फैमिली मैन सीजन 3 ने एक बार फिर दर्शकों का ध्यान खींचा है। तीसरे सीजन में एक नया किरदार मीरा दर्शकों के लिए खासा दिलचस्प साबित हुआ। इस किरदार को अभिनेत्री निमरत कौर ने निभाया। इस किरदार को लेकर उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। निमरत कौर ने कहा, मीरा का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत शानदार अनुभव रहा। इस रोल ने मुझे महिला सशक्तीकरण की भावना महसूस करने का मौका दिया। यह किरदार न केवल कहानी में अहम है, बल्कि यह दर्शाता है कि एक महिला अपने तरीके से किसी भी चुनौती का सामना कर सकती है, चाहे वह पुरुषों की दुनिया में काम कर रही हो या फिर नेतृत्व की भूमिका में हो।उन्होंने कहा, मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसके सभी लेखक पुरुष ही थे, जिन्होंने महिला सशक्तीकरण के अलग पहलुओं को दिखाया। जब महिला का ऐसा किरदार पुरुष लेखकों द्वारा लिखा जाता है, तो उसे निभाना बहुत रोचक अनुभव होता है। इस किरदार ने मुझे खुद पर भरोसा करने और आत्म–विश्वासी बनने की प्रेरणा दी। कई बार मैं खुद को देखती थीं और सोचती कि यह किरदार जिस तरह आत्म–विश्वासी है, मैं असल जिंदगी में उसकी तरह शायद ही बन पाऊं।

निमरत ने कहा, अभिनय की दुनिया में मुझे जो आजादी मिलती है, वह असल जिंदगी में शायद संभव नहीं है। जब मैं किसी किरदार को निभाती हूं, तो उसे अपने असली जीवन के अनुभवों और सोच से अलग रखकर पूरी तरह से जी सकती हूं। यही अभिनय की खूबसूरती है कि वह हमें अपनी सीमाओं से परे जाकर किसी और के अनुभव को महसूस करने की आजादी देता है।

द फैमिली मैन 3 में निमरत कौर का किरदार खलनायिका मीरा के रूप में सामने आया है। इस शो का निर्देशन राज और डीके ने किया है और इसमें मनोज बाजपेयी, प्रियमणि और जयदीप अहलावत जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।तीसरा सीजन 21 नवंबर को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुआ, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

रणवीर सिंह के करियर की सबसे बड़ी फिल्म होगी धुरंधर? बाहर आई ये जानकारी

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म धुरंधर अपनी रिलीज के करीब पहुंच रही है। फिल्म के टीजर और पोस्टर रिलीज किए जा चुके हैं जिसे लोगों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म से जुड़ा ताजा अपडेट आया है, जो लोगों के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा सकता है। बताया जाता है कि धुरंधर के जरिए रणवीर अपने करियर का सबसे बड़ा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। आइए जानते हैं इस बारे में।

रिपोर्ट के मुताबिक, धुरंधर की अवधि कथित 3 घंटे से ज्यादा होगी। इस बारे में बात करते हुए सूत्र ने कहा, धुरंधर की अंतिम अवधि 3 घंटे से ज्यादा है। यह लगभग 3 घंटे 5 मिनट की है। आदित्य धर, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज द्वारा तय की गई अंतिम अवधि अगले 10 दिनों में पता चल जाएगी। अगर ऐसा होता है तो पहली बार रणवीर अपने करियर की सबसे लंबी फिल्म से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।

रणवीर की पिछली फिल्मों की अवधि पर नजर डालें तो दिल धड़कने दो 2 घंटे 51 मिनट लंबी थी। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की अवधि 2 घंटे 48 मिनट थी। इसके अलावा 83 और पद्मावत की अवधि 2 घंटे 43 मिनट थी। वहीं किल दिल की अवधि 1 घंटा 57 मिनट थी। बता दें कि धुरंधर में संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और अक्षय खन्ना भी हैं। यह फिल्म 5 दिसंबर, 2025 को रिलीज हो रही है।

पलक तिवारी ने स्ट्रैप-लैस गाउन में ढाया कहर, तस्वीरें देख उड़े फैंस के होश!

टीवी क्वीन श्वेता तिवारी की बेटी और इंटरनेट सेंसेशन पलक तिवारी एक बार फिर सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही हैं अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में पलक ने ऐसा दिलकश अंदाज दिखाया है कि फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे. गोल्डन स्ट्रैपलेस गाउन में उनका ग्लैमरस लुक अब हर जगह छाया हुआ है.

25 साल की पलक तिवारी हमेशा अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस फैशन सेंस के लिए चर्चा में रहती हैं इस बार उन्होंने अपना एक ऐसा फोटोशूट शेयर किया है, जिसे देखकर फैंस के होश उड़ गए. गोल्डन शिमरी गाउन में पलक का यह नया अवतार सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

वायरल तस्वीरों में पलक एक स्ट्रैपलेस गोल्डन शिमरी गाउन पहने नजर आ रही हैं गाउन का अपर पार्ट बॉडी–फिटेड है, जिस पर गोल्डन स्टोन्स की बारीक कारीगरी की गई है. ये स्टोन्स आउटफिट में एक रॉयल ग्लो एड कर रहे हैं गाउन के लोअर पार्ट में थोड़ी स्पेसिंग के साथ स्टोन्स लगाए गए हैं और नीचे का फैब्रिक फ्लोई रखा गया है. लूज फिनिश और ट्रेल के साथ इस ड्रेस में एक ड्रामेटिक और स्टाइलिश टच भी देखा जा सकता है. पलक ने अलग–अलग पोज देते हुए अपने इस परफेक्टली टोंड फिगर को खूबसूरती से फ्लॉन्ट किया है. हर फोटो में उनकी कॉन्फिडेंस और ग्लैमरस अपील साफ झलकती नजर आ रही है. जो फैंस का दिल चुरा रही है.पलक ने अपने इस ग्लैमरस लुक को और खूबसूरत बनाने के लिए सटल मेकअप चुना. न्यूड शेड्स, ग्लॉसी लिप्स और ग्लोइंग बेस के साथ उनका मेकअप बिल्कुल परफेक्ट दिख रहा है. हेयरस्टाइल की बात करें तो उन्होंने खुले बालों को चुनकर अपने लुक को और नैचुरल व एलिगेंट बनाया है.ज्वेलरी में उन्होंने मिनिमल एक्सेसरीज का इस्तेमाल किया है, सिर्फ एक स्टेटमेंट नेकपीस और ईयररिंग्स के साथ उन्होंने पूरे लुक को ग्रेसफुल फिनिश दिया. जिसमें उनकी ड्रेस का ग्रेस खुलकर सामने आ रहा है.जैसे ही पलक ने ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं, फैंस ने उनपर प्यार लुटाना शुरू कर दिया. कमेंट सेक्शन में लोग उन्हें गॉर्जियस , स्टनिंग , क्वीन और सो ब्यूटीफुल कहकर उनकी तारीफ कर रहे हैं.बहरहाल, पलक तिवारी एक बार फिर साबित कर चुकी हैं कि फैशन और स्टाइल के मामले में वो किसी से कम नहीं हैं चाहे वेस्टर्न गाउन हो या इंडियन आउटफिट, उनका हर लुक इंटरनेट पर छा जाता है.

नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म अखंड 2रू थांडवम का दमदार टीजर रिलीज, 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

डायरेक्टर बोयापेटी श्रीनु की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर अखंडा 2रू थांडवम के मेकर्स ने, जिसमें एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण लीड रोल में हैं, अब फिल्म का एक्शन से भरपूर टीजर रिलीज कर दिया है, जिससे फैंस और फिल्म के दीवाने बहुत खुश हैं।फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे प्रोडक्शन हाउस 14 रील्स ने अपनी एक्स टाइमलाइन पर टीजर के तमिल और तेलुगु वर्शन के लिंक शेयर किए। इसमें लिखा, हर फ्रेम, हर शॉट में द डिवाइन फ्यूरी दिख रहा है। अखंडा 2 का बड़ा थांडवम टीजर अब आ गया है। 5 दिसंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में।

नए रिलीज हुए टीजर में दिखाया गया है कि देश के दुश्मन भारत की जड़ों पर हमला करने की साजिश कर रहे हैं। फिर हम बालकृष्ण को देखते हैं, जो साधु के वेश में हैं, और अपने खास अनोखे अंदाज में कहते हैं, जहाँ बुराई होती है, वहीं भगवान भी होता है! बहादुर बनो। टीजर वही दिखाता है जो ट्रेलर में दिखाया गया था –– कि बालकृष्ण के अंदर एक दिव्य शक्ति काम करती है और वह भारत के दुश्मनों की मदद करने वाले ताकतवर काले जादू करने वालों का सामना करते हैं। टीजर, जिसमें बालकृष्ण की बेटी उन्हें पुकारती है, फिल्म के रोमांचक एक्शन सीक्वेंस की एक झलक देता है।

टीजर से यह साफ है कि बालकृष्ण का किरदार अखंड 2रू थांडवम में देश के दुश्मनों और देश में शांति और भाईचारा बिगाड़ने की कोशिश कर रही बुरी ताकतों, दोनों का सामना करेगा।

डायरेक्टर बोयापति श्रीनु, जो ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के लिए जाने जाते हैं, अब जबरदस्त सीक्वल, अखंड 2 थांडवम को डायरेक्ट करने की तैयारी में हैं। सूत्रों का कहना है कि फिल्म पोस्ट–प्रोडक्शन के आखिरी फेज में है।

बाक्स आफिस पर चला तेरे इश्क में का जादू, दूसरे दिन हुई दमदार कमाई, 120 बहादुर 9 दिन बाद भी फेल

इंटेंस लव स्टोरीज एक बार फिर थिएटर्स में सेंटर स्टेज पर आ रही हैं, और तेरे इश्क में को मिला रिस्पॉन्स इसका सबूत है. रोमांटिक जॉनर में आई सुस्ती के बाद, इस फिल्म ने दर्शकों को बड़ी संख्या में सिनेमाघरों में वापस ला खड़ी कर दी है. फिल्म ने जहां पहले दिन डबल डिजिट में कमाई करने में सफल रही, वही दूसरे दिन इसने उछाल मारी और पहले दिन की अपेक्षा ज्यादा कमाई की.

आनंद एल. राय के डायरेक्शन में बनी यह दिल को छू लेने वाली म्यूजिकल लव स्टोरी28 नवंबर सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे फैंस और क्रिटिक्स दोनों से पॉजिटिव रिव्यू मिले. रांझणा जैसी ही तेरे इश्क में ने दर्शकों को इम्प्रेस किया है.बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त ओपनिंग के बाद, फिल्म ओपनिंग वीकेंड में खूब चर्चा में है, और इसने विजय राज और फातिमा सना शेख की गुस्ताख इश्क को भी पीछे छोड़ दिया, जो मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा का प्रोड्यूसर के तौर पर पहला प्रोजेक्ट था, जो कल ही थिएटर में रिलीज हुई थी.धनुष की मैड लवर बॉय कैरेक्टर शंकर और कृति सेनन की मुक्ति के रूप में, तेरे इश्क में ने सभी उम्मीदों को पार कर लिया और थिएटर में अपनी यात्रा को शानदार तरीके से शुरू किया है. सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने डबल–डिजिट में ओपनिंग की और पहले दिन 16 करोड़ रुपये कमाए, जिसमें से 15.25 करोड़ हिंदी बेल्ट से आए.बता दें कि धनुष–कृति सेननन स्टारर यह फिल्म हिंदी और तमिल दोनों भाषाओं में रिलीज हुई थी. फिल्म के को–प्रोड्यूसर टी–सीरीज के पोस्ट के मुताबिक, तेरे इश्क में ने पहले दिन 15.05 करोड़ (हिंदी नेट) कमाए.दूसरे दिन की बात करें तो सैकनिल्क के मुताबिक, धनुष–कृति स्टारर फिल्म ने शनि वार को 17 करोड़ रुपये की कमाई की है. जबकि हिंदी बेल्ट में इसने 16.57 करोड़ रुपये कमाए है. ।

अनियंत्रित कार की टक्कर से बाइक सवार पति पत्नी घायल बच्ची की मौत

मडियाहू जौनपुर ।बरसठी क्षेत्र के अचानक नगर पेट्रोल पंप के पास सोमवार दोपहर हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। सुरियावां में शादी समारोह में जा रहे बाइक सवार दम्पत्ति और उनकी बच्ची को तेज रफ्तार से आ रही अनियंत्रित कार ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। भीषण हादसे में लगभग 6 वर्षीय बच्ची अनन्या की मौके पर ही मौत हो गई जबकि महिला आरती उम्र 28 वर्ष और उसका पति पंकज 30 वर्ष व एक अन्य गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर तड़पते मिले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार निगोह की दिशा से खतरनाक रफ्तार में आ रही थी। अचानक चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और बाइक को सीधी टक्कर मार दी। हादसे के बाद चारों ओर चीख–पुकार मच गई। घायल दंपती खून से लथपथ हालत में सड़क पर पड़े मिले जबकि मासूम अनन्या बेहोशी की अवस्था में पड़ी थी। लोगों ने उसे उठाया लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। सूचना मिलते ही बरसठी थाना पुलिस मौके पर पहुँची और घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी बरसठी भेजवाया। डॉक्टरों ने दोनों की हालत नाजुक देखते हुए तुरंत जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल कार और उसके चालक को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। मृतक अनन्या के शव का पंचनामा कर पुलिस ने उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी युवक को बीस वर्ष की कैद 12हजार जुर्माने की सजा

जौनपुर। अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय रूपाली सक्सेना की अदालत ने ढाई वर्ष पूर्व कक्षा छः में पढने वाली 15 वर्षीया किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को 20 वर्ष की कैद व 12,000 रूपए जुर्माने से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार लाइन बाजार थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने मुकदमा पंजीकृत करवाया कि उसके घर रह रही उसकी 15 वर्षीया साली 09 मार्च 2023 को रात 8रू00 बजे शौच के लिए घर के सामने कुछ दूर गई थी। घात लगाकर बैठे गांव का ही शिव शंकर यादव उर्फ सटरू ने उसे पकड लिया और गेहूं के खेत में ले जाकर कर दुष्कर्म किया। पीडिता घर आकर सारी बात बताई। युवक के घर शिकायत लेकर जाने पर वह तलवार निकालकर जान से मारने की धमकी देने लगा। थाने में एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस अधीक्षक के पास जाने पर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई, तब वादी ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 (3) के अंतर्गत प्रार्थना पत्र दिया था। पुलिस ने विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया।

शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारी व रमेश चंद्र पाल के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने आरोपी युवक को दुष्कर्म के आरोप में दोषसिद्ध पाते हुए 20 वर्ष के कारावास व 12000 रूपए अर्थदंड से दंडित किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे सहायक अध्यापक परीक्षा की तैयारी बैठक संपन्न

जौनपुर । जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी) परीक्षा 2025 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में यह परीक्षा 06 दिसंबर 2025 को आयोजित होगी। प्रथम पाली में 12 और द्वितीय पाली में 19 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में लगभग 14304 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे।परीक्षा का समय प्रथम पाली प्रातः 9:00 बजे से 11:00 बजे तक, द्वितीय पाली अपराह्न 2:00 बजे से 5:00 बजे तक निर्धारित है। परीक्षा प्रारंभ होने से 45 मिनट पूर्व प्रवेश बंद हो जाएगा और डेढ़ घंटे पूर्व से प्रवेश प्रारंभ हो जायेगा।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में परीक्षा को नकलविहीन, पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराया जाएगा। उन्होने निर्देश दिया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर समयबद्धता का कड़ाई से पालन कराया जाए तथा प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित समयानुसार ही संचालित हो। परीक्षा के पारदर्शी संचालन हेतु प्रशासन द्वारा कुल 19 सेक्टरध्स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। जिलाधिकारी ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में पूर्व निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा परीक्षा के दौरान लगातार निगरानी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी, पेयजल, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की उपलब्धता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। प्रश्नपत्रों का सुरक्षित परिवहन एवं स्ट्रॉन्ग रूम की व्यवस्था पूर्व निर्धारित मानकों के अनुरूप हो। लगभग एक हजार कक्ष निरीक्षको को टीडी इंटर कॉलेज में 03 दिसंबर 2025 को मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। नकलविहीन परीक्षा के लिए प्रवेश पर बायोमेट्रिकध फ्रिस्किंग प्रक्रिया सख्ती से लागू की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 राम अक्षयवर चौहान, सह जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश यादव सहित सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केन्द्राध्यक्ष, आयोग के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बीआरपी इंटर कालेज में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

मुख्य अतिथि ने छात्रों को दिया प्रोत्साहन

जौनपुर। बीआरपी इंटर कॉलेज खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ किया गया। समारोह का उद्घाटन व्यवसायी मनोज कुमार अग्रहरि ने प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद कुमार श्रीवास्तव अग्रहरि, संतोष कुमार अग्रहरि, सुशील अखिलेश श्रीवास्तव उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य डॉ. श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें विद्यालय से जुड़ी विभिन्न उपलब्धियों से अवगत कराया।मुख्य अतिथि मनोज कुमार अग्रहरि, जो विद्यालय के पूर्व छात्र भी रहे हैं, ने कहा कि छात्र जीवन में वे स्वयं कई खेल प्रतियोगिताओं में जनपद का चौंपियन रह चुके हैं। उन्होंने छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि खेलकूद विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए हर छात्र को प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। इससे शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक क्षमता में वृद्धि होती है।उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि विद्यालय के विकास में प्रधानाचार्य द्वारा मांगी गई हर सहायता वे तन–मन–धन से देने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे और इसे अपना सौभाग्य मानते हैं।प्रतियोगिता के पहले दिन के परिणाम।एथलेटिक्स में 100 मीटर सनियर बालक वर्ग में प्रथम दृ सचिन यादव (कक्षा 12, कला)द्वितीय दृ सागर गौतम (कक्षा 12, गणित) तृतीय दृ शिव गौड़ (कक्षा 11, गणित) एवं रोशन यादव (कक्षा 12, गणित) 100 मीटर सीनियर बालिका वर्ग में प्रथम दृ शिवानी साहू,द्वितीय दृ अंचल सोनकर,तृतीय दृ आस्था पटेल। पहले दिन की प्रतियोगिताओं को देखने के लिए छात्रों और शिक्षकों में खासा उत्साह देखने को मिला। खेलकूद समारोह का समापन दूसरे दिन विविध प्रतियोगिताओं और पुरस्कार वितरण के साथ किया जायेगा।

जौनपुर की 111वीं दो दिवसीय वार्षिक सोमवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ मुख्य अतिथि और पूर्वांचल के प्रतिष्ठित किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता ने की।विशिष्ट अतिथियों में रविंद्र कुमार कुमार अग्रहरि, सुधीर अग्रहरि और

विजेताओं को पुरस्कार,जरूरतमंदों को कम्बल वितरित

खेल प्रतियोगिता सम्पन्न, बच्चों में दिखी ऊर्जा और उत्साह
मुख्य अतिथि प्रो. राजमणि मिश्र ने दिए प्रेरक संदेश

जौनपुर। जयनकरन पूर्व माध्यमिक विद्यालय सैदपुर गड़उर में रविवार को संविधान दिवस के अवसर पर खेल प्रतियोगिता और कम्बल वितरण कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। विद्यालय प्रांगण में सुबह से ही छात्रों में दौड़, कबड्डी, रस्साकसी और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं को लेकर जोश देखने को मिला ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधि महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. राजमणि मिश्र ने खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि संविधान नागरिकों में कर्तव्यबोध, अनुशासन और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना जागृत करता है। उन्होंने ग्रामीण परिवेश के बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें अवसर मिले तो वे किसी भी स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं।प्रतियोगिताओं में चयनित प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ स्थान प्राप्त छात्रों को समिति की ओर से पुरस्कार, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया ।पुरस्कार वितरण में डॉ. राम सेवक चौहान,समरनाथ सिंह, प्रिंसिपल वीरेंद्र चौहान का विशेष योगदान रहा ।इसके साथ ही बाबू जयकरण सिंह परिवार की ओर से चारों पुरस्कृत छात्र–छात्राओं को एक–एक कम्बल प्रदान किए गए ।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रामसेवक चौहान ने की। उन्होंने कहा कि विद्यालय न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि सामाजिक दायित्वों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। ग्रामीणों ने भी विद्यालय प्रबंधन द्वारा जरूरतमंदों को ठंड से राहत के लिए किए गए इस वितरण कार्य की सराहना की ।इस अवसर पर समरनाथ चौहान, डॉ. लक्ष्मण सिंह, लालजीत चौहान, पूर्व प्रधानाचार्य प्रेमनाथ चौहान, प्रदीप कुमार चौहान, अरविंद चौहान, शिक्षक नेता वीरेंद्र यादव, मुनिराज सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे ।संचालन प्रबंधक लालजीत चौहान ने किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य सुनीता ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और ग्रामीणों का आभार प्रकट किया।

अंतर्राष्ट्रीय एड्स दिवस पर सेमिनार का आयोजन

जौनपुर। आज अंतर्राष्ट्रीय एड्स दिवस पर जनपद न्यायालय जौनपुर में जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार शशि के निर्देशन में सचिव पूर्णकालिक अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर ६ प्रशांत कुमार सिंह की देखरेख में ६ एक सेमिनार का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सभागार में एड्स कारण और बचाव विषय पर आयोजित किया गया जिसमें सचिव पूर्ण कालिक प्रशांत कुमार सिंह डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल अनुराग चौधरी काउंसलर देवेंद्र कुमार यादव पूर्व काउंसलर एवं वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज कुमार वर्मा मध्यस्थगण मुन्ना सिद्दीकी ६ श्रीमती बीना श्रीवास्तव देवेंद्र कुमार यादव काउंसलर सभी पैरालीगल वॉलिंटियर्स ६ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विभाग के सुनील कुमार मौर्य राजेश कुमार यादव राकेश कुमार यादव बृजेश कुमार अरविंद कुमार चौबे सुनील गौतम सुनील कुमार ६ अमित करनाल जिया श्रीमत रूबी सिंह ६ जिला चिकित्सालय की तरफ से राजकुमार पांडे एवं डॉ सीमा सिंह एवं विद्वान अधिवक्ता गण तथा वादकारीगण उपस्थित रहे।एड्स के बारे में बताते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सचिव पूर्णकालिक प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि एड्स बहुत भयानक रोग है और इसका बचाव ही इसका सबसे अच्छा उपाय है यद्यपि कुछ आधुनिक खोजें जीनथेरेपी जैसी चिकित्सा प्रणाली विकसित की गई है और अच्छे दावों के सहारे व्यक्ति लंबे समय तक जीवित रह सकता है इसके बारे में पूरे विश्व में जागरूकता फैलाया जाना अत्यंत ही आवश्यक है यह ऐसा रोग है जो जीवन शक्ति को और प्रतिरोधक क्षमता को क्षीण कर देता है इस सेमिनार का संचालन करते हुए डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल में बताएं एड्स सबसे पहले अफ्रीका में मनुष्य और चिंपांजी प्रजाति के संसर्ग के द्वारा फैला था यह प्राकृतिक या अप्राकृतिक संसर्ग से संक्रमित सुई लगाने से संक्रमित खून चढ़ाने से यह रक्त के द्वारा किसी भी प्रकार के संपर्क होने से फैल सकता है ६ यह गर्भस्थ शिशु को भी मां के द्वारा हो सकता है और हाथ मिलाने से साथ रहने से व्यक्ति के साथ खाने और कपड़े पहनने से नहीं होता है । दावों के उचित उपयोग और जागरूकता के कारण पिछले वर्ष भारत में एड्स से केवल 32000 लोग मारे गए जो कि विश्व के 5 लाख लोगों का केवल पांच प्रतिशत है वर्तमान समय में विश्व में चार करोड़ से अधिक एड्स के रोगी हैं और एड्स से अब तक 5 करोड लोग मारे गए हैं।इसी क्रम में ६असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल अनुराग चौधरी मध्यस्थ बीना श्रीवास्तवा मुन्ना सिद्दीकी एवं मनोज कुमार वर्मा ६ पूर्व सदस्य फ्री लिटिगेशन पीठ के द्वारा भी एड्स के बारे में संबोधित करते हुए कहा गया कि इस भयानक रोग के बारे में सभी को विशेष कर युवा पीढ़ी को जागरूक किया जाना आवश्यक है और उन्होंने बताया किया हर्ष की बात है कि भारत में एड्स के रोगियों के बढ़ने की संख्या 83ः और संक्रमित होने की संख्या में 81ः की कमी आई है और दुनिया के केवल पांच प्रतिशत एड्स के रोगी भारत में बचे हुए हैं एड्स का रोगी लंबे समय तक जीवित रहकर सामान्य दिनचर्या व्यतीत कर सकता है संवाहक बहुत खतरनाक होते हैं इनका काम दूसरों में ऐड्स को फैलाना होता है और यह स्वयं सामान्य रूप से स्वस्थ रहते हैं सभी लोगों ने एड्स ६ से बचाव की जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

आनलाइन उपस्थिति के विरोध में मुखर हुए सचिव, वीडीओ व जीपीओ

धर्मापुर व महाराजगंज ब्लाक में काली पट्टी बांधकर कर्मचारियों ने जताया आक्रोश

जौनपुर। फील्ड स्टाफ पर लागू की गई ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था के खिलाफ जौनपुर के दो प्रमुख विकास खंडोंकृधर्मापुर और महाराजगंजकृमें सोमवार को सचिवों, ग्राम विकास अधिकारियों और ग्राम पंचायत अधिकारियों ने संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया और शासन से आदेश वापस लेने की मांग उठाई।धर्मापुर ब्लॉक में सचिवों का विरोध

धर्मापुर ब्लॉक मुख्यालय पर हुआ जिसमे सचिवों ने ऑनलाइन उपस्थित प्रणाली के विरोध में काली पट्टी बांधकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। जिला मंत्री रामकृष्ण पाल ने कहा कि सचिव 12वीं पास नॉन–टेक्निकल कर्मचारी हैं, लेकिन सरकार बिना संसाधनों के उनसे रोबोट की तरह कार्य लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि मात्र 200 रुपये साइकिल भत्ता देकर महीने भर ग्राम पंचायत से ब्लॉक, और ब्लॉक से जिला मुख्यालय तक मीटिंग के लिए बुलाया जाता है, जबकि यात्रा भत्ता नहीं दिया जाता।

उन्होंने बताया कि बिना मोबाइल और डाटा उपलब्ध कराए सभी कार्य कर्मचारियों के निजी मोबाइल से कराए जाते हैं। जूम मीटिंग असमय होती है, अन्य विभागों के कार्य भी दबाव में कराए जाते हैं और अनुशासनात्मक कार्रवाई की धमकी भी मिलती है।प्रदर्शन में अरविन्द यादव, राकेश रोशन, मनीष चन्द, श्रुति गुप्ता, राजेश यादव, स्वतंत्र मौर्या, अखिलेश कुमार, विपिन राय, अरविन्द चौहान सहित कई सचिव मौजूद रहे।इसी प्रकार महाराजगंज मेंवीडीओ और जीपीओ का सत्याग्रहमहाराजगंज विकास खंड मुख्यालय परिसर में ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत अधिकारियों ने ऑनलाइन हाजिरी के आदेश को अव्यावहारिक बताते हुए शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया। कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया लेकिन विभागीय व चुनावी कार्य पूर्ववत जारी रखा।ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन के ब्लॉक अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने बताया कि आंदोलन प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 4 दिसंबर तक आदेश वापस नहीं लिया गया तो 5 दिसंबर को सभी कर्मचारी ब्लॉक मुख्यालयों पर धरना–प्रदर्शन करेंगे और सरकारी व्हाट्सएप समूहों से बाहर हो जाएंगे।ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विनय यादव ने कहा कि ऑनलाइन उपस्थिति कार्यालयी स्टाफ के लिए ठीक हो सकती है, लेकिन फील्ड स्टाफ के लिए यह पूरी तरह अव्यावहारिक है। अधिकांश अधिकारी 10[illegible]15 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायतों में तैनात हैं और रोज कई गांवों व गौशालाओं का निरीक्षण करना पड़ता है, ऐसे में निर्धारित समय पर ऑनलाइन हाजिरी लगाना संभव नहीं है।सत्याग्रह के दौरान कर्मचारियों ने "इंकलाब जिंदाबाद" और "ऑनलाइन हाजिरी वापस लो" के नारे लगाए।कार्यक्रम में प्रभारी एडीओ पंचायत उमेंद्र यादव, सचिव ज्योति सिंह, विकास यादव, शशिकांत सोनकर, शेष नारायण मौर्य, सतेंद्र यादव, संतोष दुबे, प्रशांत यादव, सुरेंद्र यादव, विकास गौतम सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर मजिस्ट्रेट के आदेश का अनुपालन न होने से प्रभावहीन

जौनपुर सद्भावना पुल पर लगाया गया नगर मजिस्ट्रेट का आदेशित बोर्ड काफी चर्चा का विषय बना हुआ हैं। अस्थाई दुकानदारों के लिए इस बोर्ड का कोई महत्व नहीं है। उन्हें किसी आदेश का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है और बेखौफ सद्भावना पुल पर धड़ल्ले से दुकान खोल रखा है। जानकारी के अनुसार पुल पर आये दिन हो रही घटनाऐ, पुल पर रेलिंग छोटी होने के कारण और इन दुकानों पर जुटने वाली भीड़ को देखते हुए कोई हादसा न हो जाए इस लिए जिलाधिकारी के आदेश पर पुल के दोनों छोर पर दुकान लगाना प्रतिबंधित कर दिया गया है। लेकिन बावजूद छोटे दुकानदार अपनी रोजी रोटी चलाने के लिए दूसरों की जान की परवाह न करते हुए दुकानदारी कर रहे हैं। और सरकारी आदेश की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाला, पत्रकार उत्पीडन एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ सत्याग्रह आन्दोलन का 1575वाँ दिन

जौनपुर । सत्याग्रह आन्दोलन के 1575वें दिन राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाला, भ्रष्टाचार, जनसुनवाई पोर्टल पर फर्जी निस्तारण, पत्रकार उत्पीडन एवं सिरकोनी बाजार (इजरी) की भीषण डकैती काण्ड के अभियुक्तों के विरूद्ध कार्यवाही को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में 'सत्याग्रह आन्दोलन' जारी रहा। सत्याग्रह आन्दोलनकारी यशवन्त कुमार गुप्त ने बताया कि 9 अगस्त 2021 से यह आन्दोलन चलाया जा रहा है। यह आन्दोलन राष्ट्रीय राजमार्ग भूमि अधिग्रहण घोटाले के विरूद्ध चलाया जा रहा है। आगे यह भी कहा कि यह आन्दोलन जाँच के मुख्य बिन्दुओं पर कायम रहते हुए समस्या के निस्तारण तक जारी रहेगा। आन्दोलन के समर्थन में आदित्य नारायण शर्मा, प्रेम प्रकाश मिश्र, बिहारी लाल यादव, राम बहाल यादव, विजय प्रताप सिंह, प्रमोद कुमार पाण्डेय, अमरेश पाण्डेय, विजय प्रकाश मिश्र, राम नगीना यादव, अमरेन्द्र श्रीवास्तव, नन्दलाल रावत, उदय प्रताप सिंह, चन्द्रशेखर सिंह, उदयराज गौड़ व अन्य लोग उपस्थित रहे।

जिलानिर्वाचन अधिकारी ने विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण के लिए बनाए गए वार रूम का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर ।जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा तहसील केराकत के सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दृष्टिगत बनाए गए वार रूम का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होने गणना प्रपत्रों के डिजीटाइजेशन की प्रगति के सन्दर्भ में जानकारी प्राप्त की और निर्देशित किया कि मा0 भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में सभी कार्मिक समय से आवंटित कार्य पूर्ण करें।

जला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मा0 भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में जनपद की सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण की प्रक्रिया चल रही है, कार्य ससमय सम्पादित किया जा सके इसके लिए तहसील केराकत के सभागार में भी शिफ्टवार कार्मिकों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने बताया कि पंचायत सहायक और बीएलओ के अतिरिक्त शिक्षकगण, लेखपाल, अमीन भी डिजिटाइजेशन के कार्य में लगाए गए हैं। जिला निवार्चन अधिकारी ने उपस्थित सुपरवाइजरों से डिजिटाइजेशन की जानकारी ली और सभी को समयबद्व रूप से कार्य करने और मैपिंग के पश्चात ही डिजीटाइजेशन के कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों की सराहना भी की। उन्होने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने जो अवधि बढ़ाई है, उस अवधि में अच्छा कार्य करते हुए कार्य को ससमय संपादित करें। जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा सभी को विस्तार से विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार, सहित अन्य उपस्थित रहे।

वृद्धाश्रम का मासिक निरीक्षण और विधिक साक्षरता जागरुकता शिविर का आयोजन

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं मनोज कुमार राय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हमीरपुर के निर्देशन में वृद्धाश्रम, हमीरपुर में मासिक निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हमीरपुर के सचिव महेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक जीतेन्द्र सिंह परमार तथा लीगल एड डिफेंस काउंसिल चीफ आनंद कुमार सक्सेना उपस्थित रहे। शिविर के दौरान "माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007", के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों एवं उपलब्ध कानूनी सहायता के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान कुल छह वृद्धजनों द्वारा प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें पेंशन प्राप्त न होने, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तथा पारिवारिक विवादों से संबंधित समस्याएँ प्रमुख रहीं। इन शिकायतों के निस्तारण हेतु पैरालीगल वॉलंटियर्स (च्स्ट) को निर्देशित किया गया कि वे सभी प्रार्थना–पत्र संकलित कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित करें, ताकि त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम में कुछ व्यवस्थागत कमियाँ पाई गईं, जिनमें टूटी हुई फर्श, अस्वच्छ वॉश बेसिन, और सीढ़ियों की खराब स्थिति शामिल थीं। साथ ही यह भी पाया गया कि संवासियों की रजाई एवं गद्दे पिछले आठ वर्षों से परिवर्तित नहीं किए गए हैं, जबकि नियमानुसार इन्हें प्रत्येक पाँच वर्ष में बदला जाना आवश्यक है। इन सभी बिंदुओं पर प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि वह अपने मुख्यालय से पत्राचार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्यवाही कर सुधारात्मक उपाय कर रिपोर्ट जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हमीरपुर को प्रस्तुत करें। इसके अतिरिक्त, सभी दरवाजों पर मच्छररोधी जाली लगाने तथा समुचित सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। वृद्धजनों की शिकायतों के समाधान एवं वृद्धाश्रम की सुविधाओं में आवश्यक सुधार के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सतत निगरानी और कार्यवाही की जाएगी।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।